जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 86 दिनांक: 09-03-2022 बुधवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

वाराणसी में मतगणना स्थल पहड़िया मंडी में ईवीएम जमा होने के अगले दिन शाम को दो वाहन से ईवीएम ले जाते समय सपा कार्यकर्ताओं ने ईवीएम से लदे दोनों वाहनों को पकड़ने के बाद धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। एडीजी की गाड़ी पर पथराव कर दिया।

रूस-यूक्रेन के बीच जंग का आज १३वां दिन है। यह तस्वीर यूक्रेन के खारकीव रेल्वे स्टेशन की है। यहां पैर रखने तक की जगह नही है, लोग जैसे भी हो जल्द से जल्द इस शहर को छोड़ देना चाहते

वाराणसी में EVM पर बवाल : सपाइयों ने ईवीएम भरे दो वाहन पकड़े

डीएम और पुलिस कमिश्नर को घेरा, पथराव व लाठी चार्ज

वाराणसी । जिले में मंगलवार की शाम समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने पहड़िया मंडी से ईवीएम दो वाहन में भरकर बाहर ले जाने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन और हंगामा शुरू कर दिया। पहड़िया मंडी में ही ईवीएम को सोमवार की रात जिले भर से संकलित कर एक जगह रखा गया था। ईवीएम को दो वाहन में भरकर बाहर ले जाने के आरोप में सपाइयों ने हंगामा कर दिया तो प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर सपाइयों को समझाने में जुट गए। पहड़िया मंडी में दो वाहन पर ईवीएम लदकर कहीं जा रहा था कि मौके पर मौजूद सपा कार्यकर्ताओं ने उसे रोक लिया। विवाद की जानकारी होने पर सुभासपा-सपा के सुनील सोनकर और अरविंद राजभर भी मौके पर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। इस बीच रात करीब ग्यारह बजे कमिश्नर दीपक अग्रवाल की गाड़ी पर लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया।

रात करीब 10.30 बजे धरना दे रहे सपा, बसपा, सुभासपा, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने डीएम कौशलराज शर्मा और पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश को पहड़िया मंडी से बाहर नहीं निकलने दिया। दोनों अधिकारी वापस स्ट्रांग रूम की ओर आकर बैठ गए। वाराणसी में मतगणना स्थल पहड़िया मंडी में ईवीएम जमा होने के ठीक अगले दिन शाम को दो वाहन से ईवीएम ले जाते समय समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने ईवीएम से लदे दोनों वाहनों को पकड़ने के बाद धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

ईवीएम लदे दोनों वाहनों को पकड़ने के बाद सपाइयों ने हंगामा शुरू कर दिया। वहीं मौके पर पहुंचे अधिकारियों का कहना था कि यह ईवीएम कल मतगणना की ट्रेनिंग के लिए यहां से यूपी कालेज ले जाया जा रहा था। वहीं साढ़े सात बजे मौके पर जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा पहुंचे और सपाइयों से ड्राइवर को मुक्त कराया और सपाइयों को समझाने की भी कोशिश की। वहीं सपाइयों की भीड़ से घिरे जिलाधिकारी ने समझाने की कोशिश की लेकिन उनको रात आठ बजे तक सफलता नहीं मिल सकी। दूसरी ओर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में लगे पैरा मिलिट्री फोर्स से सपाई बहस करते रहे। रात 8:50 बजे पुलिस द्वारा लाठी चार्ज की अफवाह के बीच भगदड़ मची तो कुछ लोग एक दूसरे पर जा गिरे और चोटिल हो गए।

पहड़िया स्थित मतगणना स्थल पर कांग्रेस की ओर से पूर्व सांसद डा. राजेश मिश्रा भी मौके पर पहुंचे और प्रकरण की जानकारी ली। वहीं रात आठ बजे जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा और पुलिस कमिश्नर ए. सतीश गणेश नेताओं से बातचीत करने पहुंचे और उनको समझाने का प्रयास किया।विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी के बीच माइक लेकर खड़े इलेक्ट्रानिक मीडिया के लोगों के साथ भी प्रदर्शन कर रहे लोगों ने धक्का मुक्की करने के साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को घेर कर नारेबाजी भी की। समाजवादी पार्टी के नेताओं द्वारा चक्काजाम किए जाने के चलते पहड़िया -सारनाथ रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। मार्ग जाम होने से राहगीर भी परेशान रहे और दूर दूर तक वाहनों की कतार लग गई। वहीं रात साढे आठ बजे कैंट प्रत्याशी पूजा यादव भी पहुंची। भीड़ के बीच में आपत्ति जनक नारे की वजह से माहौल कई बार गर्म भी हो गया।

वहीं विरोध कर रहे सपाइयों ने दोनों वाहनों के चालकों को बंधक बना लिया तो सुरक्षा कारणों से बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स बुला ली गई। इसके साथ ही मार्ग जाम कर आवागमन बाधित कर दिया। वहीं जानकारी होने के बाद समाजवादी पार्टी के सभी स्थानीय नेता मौके पर जुटे। वहीं कुछ देर बाद शहर दक्षिणी से समाजवादी पार्टी प्रत्याशी किशन दीक्षित के पक्ष में अधिवक्ताओं का भी एक वर्ग जुट गया। वहीं शहर दक्षिणी के समाजवादी पार्टी प्रत्याशी किशन दीक्षित दोपहर से ही पहड़िया मंडी में मौजूद रहे और ईवीएम की निगरानी में जुटे रहे। दूसरी ओर सुरक्षा कारणों से सात बजे मौके पर पुलिस फोर्स पहुंच गई और फोर्स के सामने ही सपाई धरना देते हुए बैठकर नारेबाजी करने लगे।

इस बाबत मौके पर मौजूद समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का आरोप था कि शहर दक्षिणी विधानसभा का ईवीएम निकालकर यहां से बाहर भेजा जा रहा है। वहीं मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने इस बाबत बताया कि यह ईवीएम बुधवार को दिन में मतगणना के प्रशिक्षण के लिए यहां से यूपी कालेज भेजा जा रहा था।वहीं हंगामा की जानकारी होने के बाद एडीएम प्रशासन समेत सभी आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और सपाइयों को समझाने बुझाने का प्रयास करने लगे। मौके पर प्रदर्शन कर सहे सपाइयों का कहना था कि प्रशासन से ज्यादा वह मीडिया के एक्जिट पोल को लेकर नाराज हैं। सपाइयों ने धरना प्रदर्शन करने के साथ ही भाजपा और मोदी - योगी के विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद मौके पर पुलिस और सुरक्षा बलों को बुलाकर मतगणना स्थल की सुरक्षा को और पुख्ता करने की तैयारियां शुरू कर दी गईं।

बोले जिलाधिकारी : जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण हेतु यह सभी ईवीएम मंडी स्थित अलग खाद्य गोदाम में बने स्टोरेज से यूपी कॉलेज जा रही थी, कुछ राजनैतिक लोगों ने वाहन को रोक कर उसे चुनाव में प्रयुक्त ईवीएम कह कर अफवाह फैलाई है। कल काउंटिंग डयूटी में लगे कर्मचारियों की द्वितीय ट्रेनिंग है और हैंड्स ऑन ट्रेनिंग हेतु ये मशीन ट्रेनिंग में हमेशा प्रयुक्त होती है। जो ईवीएम चुनाव में प्रयुक्त हुई थीं वे सब स्ट्रांग रूम में सीआरपीएफ के कब्जे में सील बंद हैं और उसमें सीसीटीवी की निगरानी है जिसे सभी राजनैतिक दलों के लोग देख रहे हैं।

विदेश जाने वाले यात्रियों को राहत, 27 मार्च से फिर शुरू होंगी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेश जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ा राहत की खबर है। 27 मार्च से इंटरनेशनल फ्लाइटों को संचालित करने की अनुमति मिल गई है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से आदेश जारी किया गया है कि 27 मार्च से फिर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को संचालित किया जा सकता है। इसके पहले 15 जनवरी को इंटरनेशनल फ्लाइट्स को संचालित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन कोरोना महामारी की तीसरी लहर को देखकर रोक दिया गया था लेकिन अब कोरोना की तीसरी लहर को पीक गुजर चुका है। इसके बाद सिविल एविएशन मंत्रालय ने फिर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन करने की अनुमति दे दी है।

बायोबबल में हो रहा था उड़ानों का संचालन

कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए 22 मार्च 2020 को देश में लॉकडाउन लगने के साथ ही सभी उड़ानों को रोक दिया गया था। लॉकडाउन खुलने के साथ ही उड़ानों के संचालन की अनुमति मिली लेकिन बायोबबल में। अब तक बायोबबल में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को संचालित किया जा रहा था। हालांकि घरेलू उड़ानों को बायोबबल से छूट दी गई थी।

रूस से तेल के आयात पर रोक लगाएंगे बाइडन

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अमेरिका व यूरोपीय देशों से इसके लिए किया था अनुरोध

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन पर हमले को लेकर रूसी अर्थव्यवस्था पर शिकंजा कसने के मद्देनजर रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका व पश्चिमी देशों से कई बार रूसी आयात में कटौती का अनुरोध किया था और इसी क्रम में अमेरिका यह कदम उठाने जा रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध को लेकर अमेरिका समेत कई पश्चिम देशों ने मास्को पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस बीच व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए रूस के खिलाफ कार्रवाई का एलान करते रहेगा।

रूस के वित्तीय क्षेत्रों पर कई कड़े प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद ऊर्जा निर्यात के जरिये उसके पास नकदी का प्रवाह जारी है। सूत्रों ने बताया कि बाइडन मंगलवार को ही रूसी तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने संबंधी घोषणा कर सकते हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन यूक्रेन के खिलाफ बिना उकसावे और अकारण युद्ध छेड़ने के लिए रूस के खिलाफ कार्रवाई का एलान करते रहेंगे। अमेरिका की यह कार्रवाई एकल होगी, लेकिन वह इसके लिए यूरोपीय सहयोगियों से परामर्श लेगा जो ऊर्जा को लेकर काफी हद तक रूस पर निर्भर हैं। हालांकि, यूरोपीय देशों ने भी एलान किया है कि वे ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति के लिए रूस पर निर्भरता कम करेंगे। इसके बगैर रूस की अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाना थोड़ा मुश्किल है, क्योंकि यूरोप अपनी खपत की करीब एक-तिहाई प्राकृतिक गैस रूस से लेता है। अमेरिका रूस से प्राकृतिक गैस का आयात नहीं करता।

बाइडन ने दो हफ्ते पहले युद्ध के शुरुआती दौर में ऊर्जा प्रतिबंधों को लेकर अनिच्छा जाहिर की थी और कहा था कि वे गैस पंपों पर लोगों को परेशान होता नहीं देखना चाहते। युद्ध और रूसी ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंध की आशंका के कारण पिछले दो हफ्तों से गैस की कीमतों में भी इजाफा हो रहा है।

अमेरिका में पिछले हफ्ते गैसोलिन की कीमत प्रति गैलन 45 सेंट थी, जो सोमवार को 4.06 डालर हो गई। अमेरिका सामान्य तौर पर रूस से प्रतिदिन एक लाख बैरल कच्चे तेल का आयात करता है, जो उसके कुल निर्यात का करीब पांच प्रतिशत है। पिछले साल अमेरिका ने करीब आठ प्रतिशत तेल व पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया था।

यूक्रेन के सुमी शहर में फंसे सभी 694 भारतीय विद्यार्थियों को बाहर निकाला गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस के हमले में यूक्रेन के सुमी शहर में फंसे सभी 694 भारतीय विद्यार्थियों को वहां से बाहर निकाल लिया गया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी है। पुरी ने बताया कि सभी लोग बसों में सवार होकर पोल्तवा के लिए निकल चुके हैं। पुरी ने कहा, 'कल रात मैंने कंट्रोल रूम से चेक किया था, सुमी में 694 भारतीय स्टूडेंट्स शेष थे, वे सभी बसों से पोल्तवा रवाना हो चुके हैं।'

इससे पहले नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास ने ट्वीट कर ये जानकारी दी थी कि सुमी से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए भारतीय समयानुसार दोपहर 13.30 बजे रूस संघर्षविराम करेगा ताकि मानवीय गलियारा बनाया जा सके।

बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध का आज 13वां दिन है। यूक्रेन की राजधानी कीव से लगभग 350 किलोमीटर दूर पूर्व में यूक्रेन के दूसरे शहर सुमी में रूसी सेना ने एयर स्ट्राइक की है। इस हवाई हमले में दो बच्चों सहित कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है। गौरतलब है कि भारत ऑपरेशन गंगा के तहत अब तक 13 हजार से ज्यादा भारतीयों को स्वदेश ला चुका है। जबकि करीब तीन हजार भारतीय यूक्रेन के पड़ोसी यूरोपीय देशों में सुरक्षित पहुंच चुके हैं। खारकीव से भारतीयो को निकालने के बाद सुमी सरकार की सबसे बड़ी चिंता थी और वहां से भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी बड़ी राहत लेकर आई है। यूक्रेन की राजधानी कीव में घायल हुए भारतीय हरजोत सिंह को भी सोमवार को स्वदेश लाया जा चुका है। सरकार का कहना है कि ऑपरेशन गंगा के तहत निजी विमानन कंपनियों के अलावा वायुसेना के विमानों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्केट तय करता, ना की सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पांच राज्यों में वोटिंग खत्म होने के बाद देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी होने के कयासों के बीच पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्केट तय करती है, न कि सरकार तय करती हैं। इसकी कीमतों को बढ़ाना है या नहीं, यह तेल कंपनियां को ही देखना है। मंगलवार को सुबह से ही खबर चल रही थी कि सरकार तेल कंपनियों को धीरे-धीरे करके 5-6 रुपये प्रति लीटर तक रेट बढ़ाने की छूट दे सकती है। इसपर मोदी सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए साफ कर दिया है कि सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित नहीं कर रही है।

बता दें कि ग्लोबल मार्केट में सोमवार को कच्चे तेल का भाव 139 डॉलर प्रति बैरल को भी पार कर गया था, जो जुलाई 2008 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि मंगलवार को क्रूड ऑयल की कीमतों में थोड़ी कमी देखने के मिली है। कच्चे तेल बढ़ती कीमतों से कंपनियों पर भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने का दबाव है ही। समझा जाता है कि फिलहाल कंपनियों को 12 रुपये प्रति लीटर कम पर तेल बेचना पड़ रहा है। हालांकि कुछ जानकार र्यें भी कहते हैं कि तेल कंपनियां विधानसभा चुनावों के नतीजों तक का इंतजार कर सकती हैं। 10 मार्च को परिणाम आने के बाद ही पेट्रोल-डीजल कीमतों में रोजाना बदलाव की प्रक्रिया शुरू होगी।

गोवा में मतगणना से पहले कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को होटल में रखेगी

मुंबई (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव बाद एक्जिट पोल में गोवा में त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणियों के बाद राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई है। कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को एकजुट रखने पर ध्यान केंद्रित कर उन्हें रिसॉर्ट में लेकर जाने की योजना बना रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की, जबकि गोवा के अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता चुनाव प्रभारी देवेंद्र फडणवीस से मुंबई में मिलने की योजना बना रहे हैं।

गोवा विधानसभा की कुल 40 सीटों के लिए 14 फरवरी को मतदान हुआ था और मतों की गिनती मडगांव और पणजी में 10 मार्च को होगी। निवर्तमान विधानसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 17 से घटकर दो रह गई है। पांच साल में इसके 15 विधायक भाजपा में शामिल हो चुके हैं, लेकिन इस बार कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को एकजुट रखने का कोई भी प्रयास बाकी नहीं छोड़ेगी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, कांग्रेस के सभी उम्मीदवार उत्तरी गोवा के एक रिसॉर्ट में बुधवार को रहने वाले हैं, जहां से वे मतगणना केंद्रों तक जाएंगे। कांग्रेस ने अपने सभी विजेता उम्मीदवारों को परिणाम आने के बाद पार्टी कार्यालय पहुंचने को कहा है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कहा, ''हमें अपने उम्मीदवारों पर पूरा भरोसा है, लेकिन हम कोई मौका देना नहीं चाहते।''

इस बीच मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। गोवा भाजपा को वरिष्ठ नेता ने कहा कि उन्होंने 'फुल-प्रूफ रणनीति' तैयार की है, ताकि पार्टी राज्य में अपनी सत्ता कायम रखे। भाजपा ने अपने सभी विजेता उम्मीदवारों से कहा है कि वे बृहस्पतिवार को मतगणना के बाद पणजी स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचें। उन्होंने कहा, ''हम अपने नेता का निर्धारण करने और सरकार गठित करने में समय नहीं गंवाएंगे।''उधर, टीएमसी ने कहा है कि वह सात-आठ सीट जीतेगी तथा उसके गठबंधन सहयोगी को एमजीपी को चार-पांच सीट मिलेंगी तथा उसके बाद वह मुख्यमंत्री पद के लिए मोलजोल करेगी। टीएमसी के प्रदेश प्रमुख किरण कंडोलकर ने कहा, हमें कोई डर नहीं है कि हमारे प्रत्याशी पार्टी छोड़ देंगे। हम यह भी जानते हैं कि टीएमसी और महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) के सहयोग के बिना कोई सरकार नहीं बनेगी।''

एग्जिट पोल पर सपा का तंज, 10 मार्च को नतीजे बताएंगे, सरकार हम ही बनाएंगे

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश की 403 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हो चुका है। चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आने वाले हैं। चुनाव नतीजों से पहले एग्जिट पोल में यूपी की सत्ता पर फिर से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वापसी करने के अनुमान हैं। अनुमानों पर समाजवादी पार्टी (सपा) ने ट्वीट कर कहा है कि 10 मार्च को नतीजे बताएंगे, सरकार हम ही बनाएंगे।

सपा की गठबंधन सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने भी सहयोगी दल के सुर में सुर मिलाकर कहा है, कि एग्जिट पोल कभी सही नहीं रहे। 10 तारीख को सपा गठबंधन प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।यूपी में सरकार समाजवादी पार्टी की ही बनेगी। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल हमेशा चाय की दुकानों पर होता हैं, जहां बीजेपी के समर्थक रहते हैं।

सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि राजभर, चौहान, बिंद, गोंड, निषाद जैसे पिछड़े वर्ग का व्यक्ति वहां बीजेपी समर्थकों के आगे बोलता नहीं है। इसकारण एग्जिट पोल में बीजेपी को बहुमत मिलता रहा है, लेकिन जब परिणाम आए तब मामला उलट गया, यह कई बार हो चुका है। अब्बास अंसारी के बयान पर राजभर ने कहा कि जब शरीर में पांचों उंगलियां बराबर नहीं होतीं, तब चार लोगों के बीच में कैसे समान विचारधारा हो सकती है। सत्ता में आएंगे, तब मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ही बनने वाले हैं।

सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि 10 तारीख को दो गाने बजने वाले हैं, पहला, चल संन्यासी मंदिर में और दूसरा मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है। वहीं, यूपी के चुनाव नतीजों को लेकर आए एग्जिट पोल पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी तंज किया है।

बिहार की विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी एग्जिट पोल पर तंज किया है। जिस तरीके से एग्जिट पोल में योगी की सरकार की वापसी के अनुमान व्यक्त किए गए हैं, उस लेकर तेजस्वी ने तंज सकते हुए कहा है कि बीजेपी को एग्जिट पोल में जीत के लड्डू का मजा लेने दीजिए।

तेजस्वी ने कहा है कि एग्जिट पोल में जीत का लड्डू बीजेपी वालों को खाने दीजिए, 10 मार्च को नतीजे आने पर असली जीत के लड्डू अखिलेश यादव ही खाएंगे। एग्जिट पोल के अनुमानों से बिहार बीजेपी में खुशी का माहौल है।बिहार बीजेपी के अध्यक्ष डॉक्टर संजय जायसवाल ने यूपी में पार्टी की जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि जो भी जनता के लिए काम करेगा, जनता उसे दोबारा चुनकर सत्ता में जरूर लाएगी।

उन्होंने कहा है, कि जनता के लिए, गरीबों के लिए और जनता की सुविधाओं के लिए जो काम करेगा, वह निश्चित तौर पर दोबारा सरकार बनाएगा। जिस तरह से नरेंद्र मोदी ने गुजरात में चुनाव जीतकर रिकॉर्ड बनाया था, योगी भी कुछ उसी तरह का कारनामा करने वाले हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का सपा पर कटाक्ष, बोले- 10 मार्च को अखिलेश कहेंगे ईवीएम बेवफा है!

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में मतदान के बाद एग्जिट पोल के अनुमानों को लेकर घमासान छिड़ा है। हालांकि 10 मार्च को चुनाव परिणाम आने के बाद ही सही स्थिति का पता चलेगा। लेकिन उत्तर प्रदेश की सभी 403 सीटों को लेकर लगभग एक दर्जन एग्जिट पोल सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर सूबे में बीजेपी की सरकार बनाते दिख रहे हैं। वहीं सपा को बहुमत से दूर दिखाया जा रहा है। बसपा की स्थिति भी डांवाडोल दिख रही है। लेकिन बीजेपी को छोड़ कोई भी दल एग्जिट पोल के अनुमान को स्वीकार नहीं रही है। एक तरफ जहां प्रियंका गांधी ने इंतजार करने की बात कही है वहीं अखिलेश 300 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं। ऐसे में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अखिलेश यादव को लेकर तंज कसा है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर में पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नई हवा, नई सपा की बात करते थे लेकिन हमने एक के बाद दूसरे उदाहरण से दिखाया कि वही हवा है, वही सपा है। मैं अब भी कह रहा हूं कि वही हवा है वही सपा है, 10 तारीख को अखिलेश कहेंगे ईवीएम बहुत बेवफा है।

एग्जिट पोल पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम इंतजार करेंगे और देखेंगे की चुनाव के नतीजे क्या रहते हैं। आज हम महिला दिवस मना रहे हैं। हमारी 159 महिला प्रत्याशी हैं। हमने अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया है। बता दें कई एग्जिट पोल के नतीजे ने उत्तर प्रदेश में बीजेपी की जीत की भविष्यवाणी की थी। चुनावों में कहा गया है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली पार्टी 403 सीटों वाली विधानसभा में 288-326 सीटें जीतेगी।

आदित्य ठाकरे और अनिल परब के सहयोगियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमार्री

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में शिवसेना के नेताओं पर आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है। आयकर विभाग ने शिवसेना नेताओं और महाराष्ट्र के मंत्रियों आदित्य ठाकरे और अनिल परब के करीबी सहयोगियों के कार्यालय और आवास पर छापेमारी कर रहा है। मुंबई और पुणे में छापेमारी की जा रही है। वहीं, छापेमारी को आदित्य ठाकरे ने भाजपा द्वारा सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करार दिया।

इस मौके पर आदित्य ठाकरे ने केंद्रीय एजेंसियां पर भाजपा की प्रचार मशीनरी होने का आरोप लगाया है। आदित्य ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां भाजपा की प्रचार मशीनरी बन गई हैं, लेकिन महाराष्ट्र झुकेगा नहीं। यह टिप्पणी आयकर विभाग की ओर से शिवसेना नगरसेवक और बृहन्मुंबई नगर निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष यशवंत जाधव के परिसरों की तलाशी के बाद आई है।

रूस ने दी चेतावनी, कहा- 200 रुपए लीटर की सीमा लांघ जाएगा पेट्रोल-डीजल!

-यूरोप को पड़ जाएंगे गैस के लाले

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन जंग के असर के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड आयल) की कीमत 2008 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है और यह 300 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। रूस ने पश्चिमी देशों को धमकी दी है कि अगर पश्चिमी देशों ने रूस ने एनर्जी सप्लाई में कटौती की तो कच्चे तेल की कीमत 300 डॉलर के पार पहुंच सकती है। साथ ही यूरोप को गैस सप्लाई करने वाली रूस-जर्मनी गैस पाइपलाइन को बंद कर दिया जाएगा। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि अमेरिका और यूरोपीय देश रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। इससे बाद कच्चे तेल की कीमत 2008 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। खबरों के मुताबिक रूस के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर अलेक्सांद्र नोवाक ने कहा कि अगर अमेरिका और सहयोगी देशों ने ऐसा किया तो इसके ग्लोबल मार्केट में भयानक परिणाम होंगे। इससे कच्चे तेल की कीमत 300 बैरल प्रति बैरल पहुंच सकती है।

नोवाक ने कहा कि रूस के मिलने वाले तेल को रिप्लेस करने के लिए यूरोप को एक साल से अधिक समय लगेगा और उसे इसके लिए बहुत ज्यादा कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि यूरोप के नेताओं को ईमानदारी से अपने लोगों को बताना चाहिए कि इसका उनके लोगों और उपभोक्ताओं पर क्या असर होगा। उन्होंने कहा, 'अगर आप रूस से तेल की सप्लाई बंद करना चाहते हैं तो शौक से कीजिए। हम इसके लिए तैयार हैं। हम जानते हैं कि हमें अपने तेल को कहां बेच सकते हैं।'

रूस यूरोप को 40 फीसदी गैस की सप्लाई करता है। रूसी डिप्टी प्राइम मिनिस्टर ने साथ ही कहा कि उनका देश यूरोप से किए गए वादे को निभा रहा है। लेकिन हमें अपने देश के हित में कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। जर्मनी ने पिछले महीने नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन को सर्टिफिकेट देने से मना कर दिया था। नोवाक ने कहा कि उनका देश नॉर्ड स्ट्रीम 1 गैस पाइपलाइन से सप्लाई रोक सकता है। अब तक हमने ऐसा नहीं किया है लेकिन यूरोपीय नेताओं के भड़काऊ बयानों से हम ऐसा करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 300 डॉलर प्रति बैरल पहुंचती है तो देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत 200 रुपये प्रति लीटर पहुंच सकती है। पिछले साल नवंबर की शुरुआत में जब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार बदलाव हुआ था तो तब कच्चे तेल की औसत कीमत 81.5 डॉलर प्रति बैरल थी। दिल्ली में अभी पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपये और डीजल की कीमत 86.67 रुपये प्रति लीटर है।

जानकारों के मुताबिक कच्चे तेल की कीमत में एक डॉलर की बढ़ोतरी से पेट्रोल-डीजल की कीमत में 50 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी होती है। करीब 80 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर इसकी कीमत 95 रुपए है। अगर कच्चे तेल की कीमत 300 डॉलर प्रति बैरल पहुंचती है तो देश में पेट्रोल की कीमत 200 रुपए लीटर के पार पहुंच जाएगी। कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को भारी घाटा हो रहा है। यही वजह है कि आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में भारी बढ़ोतरी हो सकती है।

कार्टून कोना

गोवा में भाजपा ने छोटे दलों पर डारे डालाना शुरु किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। गोवा विधानसभा में एग्जिट पोल से चुनाव में बीजेपी को बढ़त मिलने के बीच मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें पार्टी की चुनावी संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। सावंत सोमवार रात दिल्ली पहुंचे और मंगलवार सुबह प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि बैठक करीब आधे घंटे तक चली। मुख्यमंत्री सावंत ने पीएम से मुलाकात की और उन्हें राज्य में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी।

पता चला है कि पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सावंत गोवा के भाजपा चुनाव प्रभारी देवेंद्र फडणवीस से मिलने मुंबई के लिए रवाना हो गए। भाजपा गोवा प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव सी.टी.रवि पहले ही मुंबई पहुंच चुके हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा, फडणवीस, रवि और सावंत त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में संभावित राजनीतिक स्थिति पर मिलकर चर्चा करने वाले हैं। इस बीच, भाजपा ने गोवा में छोटे दलों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) से बातचीत चल रही है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि सावंत और केंद्रीय नेतृत्व की चर्चा यह थी कि भाजपा के बहुमत से कम होने की स्थिति में आधे रास्ते को पार करने के तरीके तलाशे जाएं। सावंत ने दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले कहा, चुनावों के बाद, मैं चुनावों के बारे में जानकारी देने के लिए पीएम मोदी से नहीं मिला था। एग्जिट पोल भी आ चुके हैं, हमारे पास हमारा सर्वेक्षण भी है। इसलिए, मैं परिणाम के बारे में विस्तृत विचार दूंगा और क्या किया जा सकता है। हम अपनी सरकार के गठन पर भी पीएम से चर्चा करूंगा।

सीएम खट्टर ने पेश किया 1,77,255.99 करोड़ का महिला केंद्रित बजट, सुषमा स्वराज के नाम पुरस्कार की घोषणा

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वित्तमंत्री के रूप में वर्ष 2022-23 के लिए 1,77,255.99 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। 2022-23 का बजट महिलाओं को समर्पित किया गया है। बजट में महिला सशक्तिकरण की दिशा में मुख्यमंत्री ने अनेक सौगातें देने के साथ-साथ हरियाणा की बेटी दिवंगत सुषमा स्वराज के नाम 5 लाख रुपए का पुरस्कार आरम्भ करने की घोषणा भी की। वित्तमंत्री के रूप में सदन में लगातार अपना तीसरा बजट प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समस्त विश्व की मातृशक्ति को वंदन करते हुए कहा कि नारी के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हरियाणा की महिलाओं ने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक क्षेत्रों में अपना परचम लहराया है।

मुख्यमंत्री ने अपने बजट अभिभाषण में हरियाणा विधानसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष श्रीम

जन हितैषी

जंग का संकट

रूसी सेना ने यूक्रेन के युद्ध क्षेत्र में फंसे वहां के नागरिकों को निकालने के लिए चार शहरों के लिए संघर्ष विमान की घोषणा की है। रूस सेना की ओर संघर्ष विराम की घोषणा के बाद अब वहां फंसे नागरिकों को मानवीय गलियारों के जरिए बाहर निकाला जाएगा। उत्तर, दक्षिण और मध्य यूक्रेन के शहरों में रूस की लगातार जारी गोलीबारी के बीच हजारों यूक्रेनी नागरिक वहां से सुरक्षित निकलने की कोशिश में जुटे हैं। जंग के बीच नागरिकों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की कोशिश करने वाले देशों में भारत भी शामिल है। जिन चार शहरों के लिए संघर्ष विराम की घोषणा की गई है उसमें यूक्रेन की राजधानी कीव के अलावा खारकीव, मारियुपोल और सूमी शामिल हैं। रूस-यूक्रेन के बीच चल रही जंग में इस वक्त सबसे बड़ा संकट नागरिकों को युद्धग्रस्त इलाकों से सुरक्षित निकालने का है। पिछले 12 दिन से चल रही लड़ाई में बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिक भी मारे गए हैं। घायलों की संख्या भी हजारों में है। राजधानी कीव, खारकीव और सूमी सहित कई दूसरे शहरों पर रूसी फौज जिस आक्रामकता से हमले कर रही है, उसमें नागरिकों को भी नहीं बख्शा जा रहा। रिहायशी इलाकों पर मिसाइलों और बमों से हमले जारी हैं। अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और बंकरों को भी निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में कहा जा रहा था कि अगर जल्द ही नागरिकों को सुरक्षित ठिकानों पर नहीं पहुंचाया गया तो यह युद्ध न जाने कितने लोगों को लील जाएगा। इसीलिए रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम की जरूरत महसूस की जा रही थी। दोनों देशों के बीच हाल में हुई वार्ताओं में भी यह मुद्दा उठा था। उसके बाद ही शुरूआती स्तर पर कुछ-कुछ घंटे के लिए हमले रोकने पर सहमति बनी थी, ताकि इस बीच नागरिकों को निकालने की कवायद शुरू की जा सके। शनिवार को रूस ने मारियुपोल और वोल्नोवाखा शहर में सात घंटे के लिए संघर्ष विराम पर सहमति दी थी। लगातार हमलों से इन दोनों शहरों में भारी तबाही हुई है। बिजली, पानी सब बंद है। लोगों के पास खाने का सामान भी खत्म हो गया है। कड़ाके की ठंड पड़ रही है, सो अलग। ऐसे में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग किन हालात में होंगे, इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है। कमोबेश यही हाल रूस के दूसरे शहरों का भी है। यूक्रेन के 15 शहरों में रूसी सैनिकों का कहर जारी है। राजधानी कीव के जो हालात सामने आ रहे हैं, उससे तो लगता है कि जल्द ही यहां रूस के सैनिकों का नियंत्रण हो जाएगा। जाहिर है, युद्धग्रस्त शहरों में अब जो नागरिक फंसे हैं, उनकी सुरक्षा चिंता का बड़ा विषय है। अब तक लाखों लोग यूक्रेन छोड़ कर पड़ोसी देशों पोलैंड, रोमानिया, हंगरी आदि में शरण ले चुके हैं। लेकिन अभी भी लाखों लोग यूक्रेन में फंसे हुए हैं। कुल मिलाकर यूक्रेन पर रूसी हमले ने दुनिया के सामने एक बार फिर बहुत बड़ा संकट पैदा कर दिया है। यूक्रेन झुकने को तैयार नहीं और रूस युद्धोन्माद में पिछले दस दिनों से बमबारी किए जा रहा है। यूक्रेन में हालात ऐसे हो गए हैं कि सब कुछ ठप पड़ा है। कई शहर वीरान हो चुके हैं। न जाने कितनी बस्तियां ध्वस्त हो चुकी हैं। अब तक कितने लोग मारे जा चुके हैं, सही-सही आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। लोगों में भय समाया हुआ है कि अगर रूस ने किसी परमाणु संयंत्र पर बम बरसा दिया, तो न जाने कितनी तबाही मचेगी। डर यह भी है कि जंग लंबी खिंची और इसमें कुछ और ताकतवर देश शामिल हो गए तो क्या पता परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हो और पूरा यूक्रेन ही तबाह हो जाए। इस भय से लोग अपना वतन छोड़ कर दूसरे देशों में शरण पाने निकल पड़े हैं। बताया जा रहा है कि अब तक करीब दस लाख लोग यूक्रेन छोड़ चुके हैं। दूसरे देशों के नागरिकों को वहां से निकालने की भगदड़ मची हुई है। मगर उन बेबस और लाचार लोगों का क्या, जो न तो अपना वतन छोड़ना चाहते हैं और चाहें भी तो नहीं छोड़ सकते हैं। उनके पास देश से बाहर निकलने के साधन नहीं। जिन लोगों ने बड़े जतन से पाई-पाई जोड़ कर अपने सपनों के घर बनाए थे, उन्हें रूसी बमों से ध्वस्त होते अपनी आंखों से देख रहे हैं। युद्ध के इस माहौल में न तो दुकानें खुल पा रही हैं न बाहर से आवश्यक वस्तुओं की पहुंच सुनिश्चित हो पा रही है। लोग भूख-प्यास से तड़पने को मजबूर हैं। अस्पतालों का कामकाज भी ठप्प है। इस तरह गोलाबारी में घायल हुए लोगों को इलाज भी नहीं मिल पा रहा। न जाने कितने बच्चों ने अपने मां-बाप खो दिए होंगे। रूस और यूक्रेन के बीच दो दौर की बातचीत हो चुकी है, मगर बेनतीजा।

चुनावों के अंदाजी घोड़े

पांच राज्यों में संपन्न हुए चुनाव परिणामों के पहले अभी चर्चा 'एक्जिट पोल' पर गर्मा गई है। कई संगठनों ने अपने-अपने ढंग से यह जानने की कोशिश की है कि किस पार्टी को किस राज्य में कितनी सीटें मिलेंगी। लगभग सभी संगठन अपने-अपने ढंग से अपने अंदाजी घोड़े दौड़ाते है। वोट डालकर बाहर आनेवाले हर मतदाता से यह पूछना तो असंभव होता है कि उसने वोट किसको दिया है। इसीलिए करोड़ों मतदाताओं के वोटों का अंदाजा कुछ हजार लोगों से पूछकर लगाया जाता है। यहां इस अंदाजे में एक पेंच और भी है। वह यह कि सभी वोटर सच-सच क्यों बताएंगे कि उन्होंने अपना वोट किसको दिया है। इसीलिए इन सब 'एक्जिट पोल' को मैं अंदाजी घोड़े ही मानकर चलता हूं। इस बार पांच राज्यों में से चार में भाजपा के आने की संभावनाएं बताई जा रही हैं। उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में! पंजाब में आप पार्टी की जलवा दिखाई देगा, ऐसा ये एक्जिट पोल कह रहे हैं। इस तरह की परिणाम-पूर्व घोषणाएं या अनुमान कई बार गलत साबित हो चुके हैं और कई बार वे सही भी निकल आते हैं। अफवाह यह भी है कि पार्टियां ऐसी घोषणाएं योजनाबद्ध ढंग से भी करवाती हैं। जो भी हो, यदि उक्त अंदाज ठीक निकला तो भाजपा को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि इस पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा नेता काफी घबराए हुए से लग रहे थे। उत्तरप्रदेश की जनसभाओं में सपा के नेता अखिलेश यादव के आगे भाजपा और कांग्रेस के नेता फीके-फीके दिखाई पड़ते रहे। मायावती की तो इस बार सारे प्रचारतंत्र ने लगभग उपेक्षा ही कर डाली। उ.प्र. के चुनाव का महत्व शेष राज्यों के सम्मिलित चुनाव से ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह अगले आम चुनाव का पूर्व-राग उपस्थित करेगा। पंजाब में यदि आप पार्टी की सरकार बन जाती है तो यह भारतीय राजनीति का अजूबा होगा। वह न केवल भाजपा को 2024 के चुनावों में टक्कर देने के लिए कई राज्यों में खम ठोकेगी बल्कि उसके विरुद्ध विपक्षियों का एक अखिल भारतीय गठबंधन भी खड़ा कर सकती है। यह तो संतोष का विषय है कि इन पांच राज्यों के चुनाव में हिंसा और धांधली की गंभीर घटनाएं नहीं हुईं लेकिन मतदान का प्रतिशत भी ज्यादा बढ़ा नहीं। भारतीय लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय यह भी है कि इन चुनावों में जातिवाद और सांप्रदायिकता का बोलबाला रहा। लोकहित के असली मुद्दे हाशिए में चले गए। सभी पार्टियों ने वोट कबाड़ने के लिए मतदाताओं को चूसनियां बांटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सभी दलों के वक्ताओं ने राजनीतिक शील और मर्यादा का उल्लंघन करने में कोई संकोच नहीं किया। लगभग हर पार्टी में ऐसे उम्मीदवारों की संख्या भी काफी रही, जिन पर मुकदमे चल रहे हैं। अगले आम चुनावों की दिशा तय करने में इन पांच राज्यों के चुनाव परिणामों की भूमिका विशेष रहेगी। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

09 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.36 बजे से
चंद्र	वृष में	मेष	08.06 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.46 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.44 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	13.58 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	16.14 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.26 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.37 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	22.51 ब.से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		धनु	01.07 बजे से
		मकर	03.12 बजे से
		कुंभ	04.59 बजे से

बुधवार 2022 वर्ष का 68 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** सप्तमी 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 08.31 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 01.15 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 13.42 बजे तदनन्तर वणिज 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 06.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871182
जूलियन दिन 2459647.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान **तारीख** 05
विशेष फाल्गुन अष्टाह्निका विधान प्रारंभ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

'राष्ट्रभक्ति का पाठ' क्या सिर्फ़ जनता के लिये ?

विगत पांच फ़रवरी को हैदराबाद के निकट संत रामानुजाचार्य की 216 फ़ुट ऊंची विशालकाय प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। वैष्णव संत रामानुजाचार्य की 1000 वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुरू हुए इस विशाल आयोजन में 2 से 14 फ़रवरी तक प्रतिदिन 1,035 कुंडों के साथ 14 दिनों तक महायज्ञ किया गया। इस आयोजन में प्रधानमंत्री के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत व मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री शिवराज चौहान सहित अनेक क़द्दावर ठराष्ट्रभक्त नेताओं ठ ने भी शिरकत की। इस आयोजन में उपस्थित संत जनों के अतिरिक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,मोहन भागवत व शिवराज चौहान की वेश भूषा पर यदि ग़ौर करें तो मोदी, भागवत व चौहान भी कोई महान संत व त्यागी महात्मा प्रतीत हो रहे थे। मोदी तो बाक़ायदा अपने माथे पर रामानंदी अखाड़े के साधू संतों द्वारा धारण किया जाने वाला विशाल 'रामानंदी तिलक' लगाये हुये थे। वे पहले भी कई बार भारत के कई मठों मंदिरों से लेकर काठमाण्डू के पशुपतिनाथ मंदिर तक में साधू संतों के वेश में नज़र आ चुके हैं। आयोजन को देखकर वास्तव में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि यह विशाल व अत्यंत ख़र्चीला आयोजन पूर्णतय: 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' से ओत प्रोत है।

परन्तु देशवासियों को यह जानकार आश्चर्य होगा कि संत रामानुजाचार्य की स्टील तथा पंचधातु से निर्मित इस 216 फ़ुट ऊंची प्रतिमा की ढलाई का काम चीन की एरोसन कारपोरेशन नामक एक कंपनी द्वारा किया गया है। बताया जारहा है इस के निर्माण पर 135 करोड़ रूपये की लागत आई है। इसे 1600 अलग अलग टुकड़ों में ढालकर चीन से भारत (हैदराबाद) लाया गया जहाँ प्रतिमा के इन टुकड़ों को जोड़कर संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' का भव्य एवं विराट रूप दिया गया। यह प्रतिमा उसी चीन में निर्मित की गयी है जो कभी लद्दाख़ कभी पेंगोंग कभी अरुणाचल प्रदेश तो कभी डोकलाम तो कभी तिब्बत व नेपाल के सीमान्त इलाक़ों से भारत घुसपैठ करने की कोशिश करता रहता है। विस्तारवादी नीति अपनाने वाले इसी चीन के सैनिकों के साथ हमारे देश के सैनिकों की सीमा पर अनेक बार हिंसक मुठभेड़ भी हो चुकी है। और ऐसी घटनाओं के बाद अनेक बार ज़िम्मेदार सत्ताधारी 'राष्ट्रवादियों' की ओर से यह अपील भी की जा चुकी है कि 'भारतवासी चीनी सामग्री व चीनी हितों को साधने वाली किसी भी व्यवस्था का बहिष्कार करें।' भारत-चीन के मध्य तनाव के बीच अनेक अतिउत्साही 'राष्ट्रवादी' जगह जगह चीन निर्मित सामानों की 'होली' जलाते भी दिखाई दे जाते हैं। कभी सरकार भी कुछ चीनी ऐप आदि प्रतिबंधित कर प्रतीकात्मक रूप से देश की जनता को यह संदेश देने की कोशिश करती है कि सरकार भी चीन का 'बहिष्कार' कर रही है।

हैदराबाद में स्थापित की गयी संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा चीन निर्मित कोई पहली प्रतिमा नहीं है। इससे पहले अक्टूबर 2018 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ही हाथों गुजरात के नर्मदा तट पर लोकार्पित की गयी सरदार बल्लभ भाई पटेल की लगभग तीन हज़ार करोड़ रूपये लागत की 182 मीटर ऊँची प्रतिमा भी चीन में ही निर्मित की गयी है। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' नामक सरदार पटेल की इस मूर्ति में भी चार धातुओं का उपयोग किया गया है। इस प्रतिमा में 85 प्रतिशत तांबे का इस्तेमाल किया गया है। इसी प्रतिमा के निर्माण के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से पुराना लोहा मांगा था और भाजपा कार्यकर्ताओं ने विशेषकर किसानों से लोहा इकठ्ठा कर गुजरात भेजा था। सरदार पटेल जैसे देशभक्त व स्वदेशी की वकालत करने वाले लौह पुरुष की प्रतिमा चीन से बनकर आयेगी शायद सरदार पटेल ने कभी सोचा भी नहीं होगा। केवल प्रतिमायें ही नहीं बल्कि सरकारी स्तर पर किये जाने वाले अनेकानेक सजावटी कामों में भी चाईनीज़ लाइट्स व एल ई डी का भरपूर इस्तेमाल होते देखा जा सकता है। दिल्ली-मेरठ हाईवे पर दिल्ली से प्रवेश करते ही आपको दोनों और खंबों पर तिरंगी रौशनी बिखेरती एल ई डी नज़र आएगी। इनमें लगभग आधी तो जलती ही नहीं हैं। देश के अनेक पार्क,पुल,फ़्लाई ओवर आदि इन्हीं चाइनीज़ लाइट्स से सजे हुए हैं। यह सब वही सामग्री है जिसके बहिष्कार के लिये देशवासियों से बार बार कहा जाता है। गणतंत्र दिवस के दिनों विशेषकर बीटिंग रिट्रीट के दिन राष्ट्रपति भवन,साऊथ व नॉर्थ ब्लॉक जिस रंग बिरंगी रौशनी की छटा बिखेरता है और जिसे देखने के लिये लाखों पर्यटक व देशवासी दिल्ली आते हैं वह सारी विद्युत सामग्री व उपकरण भी चीन निर्मित आयातित ही होते हैं। जिन बड़ी बड़ी योजनाओं व निर्माण कार्यों के ठेके चीन को दिये जा रहे हैं उनकी तो बात ही अलग है।

उधर दूसरी तरफ़ यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न मंचों से 'आत्म निर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फ़ॉर लोकल' जैसे लोकलुभावने नारों को भी बुलंद करते रहते हैं। आख़िर क्या वजह है कि विगत आठ साल से केंद्रीय सत्ता का नेतृत्व करने के बावजूद अभी तक स्वयं सत्ता से जुड़े लोग ही इतने भी 'वोकल फ़ॉर लोकल' नहीं हो सके कि 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसे बहुप्रचारित अभियान के अंतर्गत कम से कम विशाल प्रतिमाओं के निर्माण का काम तो शुरू हो गया होता ? जबकि हमारा देश प्रतिमा व मूर्तियां बनाने के क्षेत्र में सदियों से महारत रखता है ? भारतीय मूर्तिकारों द्वारा बनाई गयी हज़ारों प्रतिमायें भारत सहित पूरे विश्व में जगह जगह स्थापित हैं। यदि 'आत्म निर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फ़ॉर लोकल' जैसे नारे केवल लोकलुभावन नहीं बल्कि वास्तव में धरातल पर साकार होने के लिये गढ़े गये हैं तो इन विशालकाय ऊंची प्रातिमाओं को बनाने के लिए भी सरकार हमारे देश के मूर्तिकारों को ऐसी प्रतिमाओं को गढ़ने या ढालने की विशेष तकनीक तथा इसके लिये ज़रूरी बुनियादी ढांचे मुहैय्या क्यों नहीं करवाती ?

आज भी यदि आप भारतीय बाज़ारों पर नज़र डालें तो यही पायेंगे कि हमारे बाज़ार नाना प्रकार के चीनी सामानों से पटे पड़े हैं। चीन से आने वाले हज़ारों कंटेनर प्रतिदिन चेन्नई बंदरगाह पर उतर रहे हैं। सरकार स्वयं चीनी सामानों का आयात बंद नहीं कर रही है। परन्तु 'राष्ट्रभक्ति' का भ्रम बनाये रखने के लिये जनता से चीनी सामानों के बहिष्कार की अपील सत्ताधारी लोगों द्वारा समय समय पर ज़रूर की जाती है। क्या ऐसे में यह सवाल पूछा नहीं जाना चाहिये कि 'राष्ट्रभक्ति' का पाठ क्या सिर्फ़ जनता के लिये ही है,सत्ता से जुड़े लोगों के लिये नहीं' (लेखिका- निर्मल रानी / ईएमएस)

यूक्रेन विवाद से भारत की लोकतंत्रात्मक छवि बिगाड़ने का अंतरराष्ट्रीय एजेंडा उजागर

आपको स्मरण होगा विगत मार्च 2021 में अमरीका एवम यूरोप की कुछ भारत विरोधी कथित वामपंथी ताकतों के द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय एजेंडे के तहत भारत के बारे में दुष्प्रचार करते हुए कहा था कि ठदुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत एक निर्वाचित निरंकुशता में बदल गया है.ठ

दरअसल यह बात स्वीडन की वी-डेम इंस्टीटयूट की तत्कालीन रिपोर्ट में भारत के बारे में कही गई थी . इन्ही तथ्यों के साथ यही बयान अमेरिकी संस्था फ्रीडम हाउस ने भी कही थी, इस अमेरिकी रिपोर्ट में भारत को 'स्वतंत्र लोकतंत्र' की श्रेणी से हटाकर 'आंशिक तौर पर स्वतंत्र लोकतंत्र' की श्रेणी में डाल दिया गया था ।

विदित हो कि वी-डेम और ीडम हाउस दोनों ही कथित कूटनीतिक या वामपंथी शौध संस्थान हैं और उनकी रिपोर्टों पर दुनिया भर में चर्चा होती है.

इन रिपोर्ट के आधार पर भारत लोकतंत्र के बारे में पूरे विश्व मे इतना शोर मचाया गया कि भारत की ओर से इन प्रोपगण्डा रिपोर्ट पर प्रत्युत्तर में इंडिया टुडे कॉन्क्लेव के दौरान एक वार्ता में बीजेपी के वरिष्ठ नेता राम माधव को सामने आकर इन दोनों रिपोर्टों पर अपनी राय को रखना पड़ा था ।

इसी तारतम्य में नई दिल्ली स्थित ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन में स्ट्रैटेजिक स्टडीज़ प्रोग्राम के निदेशक प्रोफेसर हर्ष वी पंत ने भी उस समय इन रिपोर्ट्स का खण्डन करते हुए कहा था कि इन रिपोर्ट्स के विश्लेषणों में यह मानना ही होगा कि रिपोर्ट्स में शुरू से ही मोदी सरकार के बारे में एक निश्चित लक्षित नकारात्मकता है.

उसी दौरान भारत के विदेश मंत्री जयशंकर जी ने भी कहा था कि ठहमारी आस्थाएँ हैं, मूल्य हैं, लेकिन हम धार्मिक पुस्तक हाथ में लेकर पद की शपथ नहीं लेते, ऐसा करने वालों (यूरोप एवम अमेरिका) से भारत को सर्टिफ़िकेट लेने की ज़रूरत नहीं है.ठ

भारतीय लोकतंत्र की आलोचना कर भारत को कटघरे में खड़ा करने वालों की पोल रूस यूक्रेन युद्ध में खुल गयी है अब भारत के लोकतंत्र को लेकर इनके प्रोपगंडे का स्वयं इन लोगों ने ही चीर हरण कर लिया है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर नग्न खड़े दिख रहे हैं ।

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर सुरक्षा परिषद में हुई वोटिंग को लेकर, पश्चिमी देशों के विश्लेषकों, समाचार पत्रों तथा राजनयिकों ने भारत की पोज़ीशन की आलोचना करते हुए अब खुद भारत को स्वतन्त्र लोकतंत्रात्मक देश बताया है ।

वैश्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण कुछ समाचार पत्रों में लिखा गया कि यूएनओ की सुरक्षा परिषद में रूस यूक्रेन विवाद पर वोट के दौरान भारत द्वाराअपने आप को अनुपस्थित रजिस्टर करना उन देशों के लिए एक चेतावनी है जो भारत को एक लोकतांत्रिक देश के रूप में देखते हैं।

इनमें से कुछ विश्लेषक अमेरिका एवं यूरोप के टॉप थिंकटैंक तथा समाचारपत्रों के लिए कार्य करते हैं। कुछ राजनयिक शक्तिशाली देशों के राजदूत रह चुके हैं या अभी भी राजदूत के रूप में कार्य कर रहे हैं।

एक नाम का विशेष उल्लेख है ये हैं ' श्रीमान रिचर्ड हास - जो सर्वाधिक प्रभावशाली अमरीकी थिंकटैंक 'काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस' के पिछले लगभग 20 वर्ष से अध्यक्ष हैं - इनकी आलोचना, या धमकी कहिए, कि एक लोकतंत्रात्मक देश होने के नाते भारत एक प्रमुख शक्ति राष्ट्र या एक भरोसेमंद भागीदार बनने के लिए तैयार नहीं है जो चीन के उदय को देखते हुए एक निराशाजनक और अदूरदर्शी कदम है।

अब रिचर्ड हास सहित स्वीडन के वी-डेम और अमरीकी ीडम हाउस की भारतीय लोकतंत्र के बारे में अनाप शनाप लिखने वालों से एक भारतीय होने के नाते हमारे कुछ प्रश्न हैं , जिनका जवाब भारत के नागरिकों को इनसे पूछना ही चाहिए ।

पहला प्रश्न ये है कि पिछले कुछ माह पहले तक यही विश्लेषक भारत के लोकतंत्र की आलोचना कर रहे थे। कुछ ने तो यहाँ तक लिख दिया कि भारत अब लोकतांत्रिक देश रहा ही नहीं। वही लोग अब भारत के लोकतंत्र की दुहाई क्यों दे रहे हैं ?

दूसरा प्रश्न यह है कि आम भारतीय यह समझ रहा है कि भारत की आलोचना या समर्थन से रूस-यूक्रेन विवाद में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। फिर अमेरिका तथा युरोप भारत विरोधी ताकतें भारत की पोजीशन के लेकर इतने व्यथित क्यों हैं?

तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आखिरकार सुरक्षा परिषद में एशिया के सभी तीन सदस्य देशो - भारत, चीन, एवं ळैं- ने भी वोट के समय अपने आप को अनुपस्थित रजिस्टर कराया। लेकिन इन्ही महानुभावों ने चीन एवं ळैं को लेकर कोई आलोचना अभी तक क्यों नहीं की है ।

विदित हो कि यह सभी विश्लेषक, समाचार पत्र तथा राजनयिक किसी प्रभाव में - जिसे भारतीय मीडिया से इतर अंतरराष्ट्रीय मीडिया माफिया के द्वारा समन्वय भी कहा जा सकता है - अगस्त 2019 से संगठित रूप से भारतीय लोकतंत्र की आलोचना कर रहे थे। यहाँ तक कि कुछ थिंकटैंक ने भारत को ठआंशिक लोकतंत्रठ, ठत्रुटिपूर्ण (ैत्) लोकतंत्रठ भी घोषित कर दिया था।

लेकिन एकाएक इन लोगो को याद आ गया कि भारत एक लोकतंत्र है। कारण यह है कि अगर हम एशिया का मानचित्र देखे, तो इजराइल और जापान के बीच में केवल भारत ही वास्तविक अर्थों में एक लोकतान्त्रिक देश के साथ साथ एक आर्थिक एवं सैन्य शक्ति भी है।

विश्व में अब किसी भी सैन्य या आर्थिक शक्ति का वर्चस्व नहीं है। इस समय का अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य बहुध्रुवीय है जिसमे अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे राष्ट्र ही प्रभावी सैन्य शक्ति - जल-थल-नभ-डिजिटल - का अभियान चला सकते है।

अभी तक यह राष्ट्र अफगानिस्तान, इराक, लीबिया, माली, सीरिया जैसे देशो में अपना शक्ति प्रदर्शन करते रहते थे। लेकिन अब ब्रिटेन एवं फ्रांस के सैनिक किसी अन्य राष्ट्र में शांति स्थापित करने के लिए अपनी जान माल संसाधन लगाने को तैयार नहीं है।

और यह भी तथ्य है कि लोकतान्त्रिक पश्चिमी राष्ट्र रूस एवं चीन की सैन्य शक्ति की मदद लेंगे नहीं।

ले देकर एक भारत बचता है; अगर वह भी न्यूट्रल या ठअनुपस्थितठ हो गया तो पश्चिम के शक्तिशाली देशो के झगड़े को सुलझाने के लिए कौन अपनी सैन्य शक्ति लगाएगा?

अत: अब भारत के लोकतंत्र पर आक्षेप के बजाय विश्व की कथित स्वयम्भू शक्तियों को वैश्विक संस्थाओ (यूएनओ , सुरक्षा परिषद इत्यादि) और इनके बायलॉज में विश्व हित मे संशोधन, निरसन या परिवर्तन करने पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए ।

वास्तव के अंदर वर्तमान मोदी सरकार के नए भारत ने भारत मे आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत किया है साथ ही अपनी वैश्विक भूमिका एवम महत्व में वृद्धि भी की है । यह तथ्य सारे विश्व को समझ मे आ गया है । भारत की सरकार वैश्विक मसलों पर बहुत समझदारी से देश की जनता के हित मे कार्य करती दिख रही है । (लेखक- डॉ विश्वास चौहान / ईएमएस)

आज का इतिहास 9 मार्च

1566 स्काट्स की रानी मेरी के निजी सचिव डेविड रिज्जो की हत्या हुई.
1715 पुर्तगाल और स्पेन का युद्ध समाप्त हुआ.
1846 लाहौर संधि के बाद सिख अंग्रेज युद्ध समाप्त हुआ.
1858 अंतिम मुगल शासक बहादुर शाह जफर को रंगून से निष्कासित कर दिया गया.
1876 तुर्की के सैनिकों बल्गारियाई लोगों का संहार किया.
1905 जापान ने मुकदेन में रूसी फौजों को शिकस्त दी.
1942 द्वितीय विश्व युद्ध में जापानियों ने डचों के कब्जे वाले लावा द्वीप पर अधिकार कर लिया.
1959 मोसुक (इराक) में सैनिक विद्रोह असफल हो गया.
1976 इटली के टेंटों शहर में केबल कार दुर्घटना में 42 व्यक्ति मारे गए.
1986 उपग्रह आधारित दूरभाष संचार का विधिवत् उद्घाटन हुआ.
1989 नाटों और वारसा संधि के देशों ने यूरोप में हथियारों की कटौती संबंधी बातचीत विएना में शुरू की.
1990 दोनों जर्मनी के एकीकरण के बारे में प्रारंभिक बातचीत शुरू हुई .
2000 मत विभाजन से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने इस्तीफा दिया.
2003 अयोध्या में खुदाई प्रारंभ.

शब्द पहेली - 7220

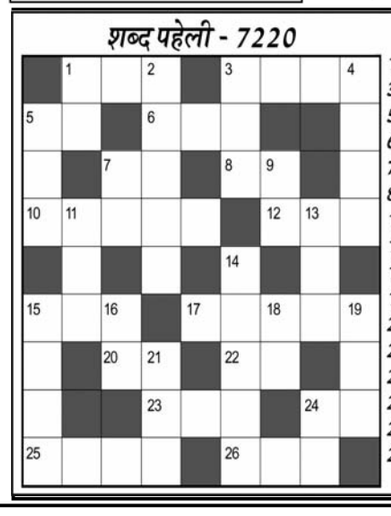

बाएँ से दाएँ
1.सुगंध,खुशबू-3
3.व्यवस्था-2,2
5.आम लोग-2
6.चिंतन,सोच विचार-3
7.पराया-2
8.विनाश,विध्वंस-2
10.अपने ही घर में बंधक-5
12.वसय,घेरा-3
15.आंचल,पल्लू-3
17.सेंधमार-5
20.भाग्य (अंग्रेजी-2)
22.एक सवारी गाड़ी-2
23.पीहर,पिता का घर-3
24.नवीन,नया,नवजात-2
25.लात मारना-4
26.जोंक,न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे
1.जी,चित्त,इच्छा-2
2.करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3.तार कसना-3
4.जोकर,विदुषक-4
5.दुनिया,जगत-3
7.पंख-2
9.सदैव,हरदम-2
11.जन्म,पैदा होना-3
13.जुड़वा-3
14.आश्चर्य में पड़ना-5
15.जंगल की आग-4
16.टोंटी,नलका-2
18.वश,अधीन-2
19.परिणाम,हल-3
21.अर्जित करना-3
24.लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -7219 का हल

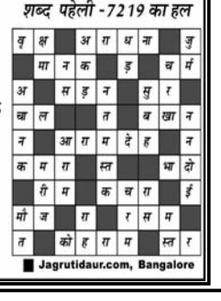

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नही बचा पाए!

हा, यह सच है !
नही बचा पाए हम
नवीन भाई तुम्हे,
लगता है हम
संवेदनहीन हो गए
या फिर लापरवाह।
काश,तुम्हे बचा पाते
मरने से पहले
भारत ला पाते,
जो अभी फंसे है
वे ही बच जाए,
यूक्रेन से भारत आ जाए।
अपने मंत्री तो
तंज कस रहे है,
दु:ख जताने
या फिर मदद की जगह,
तुम्हे अयोग्य बता रहे है।
हे भगवान, सद्बुद्धि दे
ऐसे मंत्रियों को
ओर उनके चाटुकारों को
दिवंगत हुए छात्र नवीन को
मेरा सादर नमन
उनकी आत्मा पर श्रद्धा सुमन।
(लेखक-श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

खेल - समाचार

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच ड्रॉ रहा पहला टेस्ट

इमाम ने दोनो पारियों में लगाये शतक

रावलपिंडी (ईएमएस)। पाकिस्तान ओर ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ड्रॉ रहा है। इस मैच में पाक सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक ने दोनो पारियों में शतक लगाये। इमाम के शतक 157 रनों से पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 4 विकेट पर 476 रन बनाकर घोषित किया था। जिसके बाद मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने भी 459 रन बनाए। इसके बाद मेजबान पाक ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोकर 252 रन बनाए और मैच ड्रॉ समाप्त हुआ। इमाम ने दोनो पारियों में शानदार बल्लेबाजी की। दूसरी पारी में भी वह 111 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्हें मैन ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। दूसरी पारी में उनके साथ अब्दुल्ला शफीक ने भी शतक लगाया और 242 गेंदों पर 136 रन बनाए। वहीं, इमाम ने 223 गेंद खेलीं और 111 रन की अपनी नाबाद पारी में 7 चौके और 2 छक्के लगाये।

इसी के साथ शफीक और इमाम पाक की पहली सलामी जोड़ी बन गई जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतकीय साझेदारी बनायी। दोनों ने पहली पारी में 105 जबकि दूसरी पारी में 252 रन की दोहरी शतकीय साझेदारी बनायी। शफीक पहली

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त आंखिरी समय में हुई खरीददारी के कारण आई। सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई पर इसके बाद दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों से दिन भर उतार-चढ़ाव का दौर चलता रहा। सेंसेक्स निचले स्तरों से करीब 1000 अंक और निफ्टी लगभग 300 अंक ऊपर आकर बंद हुए। चार दिनों के बाद बाजार में यह तेजी आई है। बाजार में अधिकतर समय बिकवाली रही पर अंतिम समय में खरीदारी बढ़ने से बाजार ऊपर आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 581.34 अंक करीब 1.10 फीसदी की बढ़त के साथ ही 53,424.09 के स्तर पर पहुंचा। वहीं निफ्टी भी 150.30 अंक तकरीबन 0.95 फीसदी ऊपर आकर 16,013.45 के स्तर पर बंद हुआ है.

कारोबार के दौरान आई टी, रियल्टी और फार्मा शेयरों में खरीदारी रही जबकि एफएमसीजी, ऑटो शेयरों में उछाला आया। मिडकैप, स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी के कारण आज बीएसई का मिड कैप इंडेक्स 1.57 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.40 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। डिजिटल ग्लोबल फोरम में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कहा कि आरबीआई इसी साल अपनी डिजिटल करेंसी लॉन्च करेगी।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में मंगलार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोना वायदा मंगलवार सुबह हल्की गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा। एमसीएक्स पर अप्रैल 2022 की डिलीवरी वाला सोना मंगलवार सुबह 108 रुपये की गिरावट के साथ ही 53,409 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखाई दिया।

सोने के साथ ही चांदी की वायदा कीमतों में भी मंगलवार सुबह हल्की गिरावट देखने में आई। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में 5 मई 2022 की डिलीवरी वाली चांदी की कीमत 63 रुपये की हल्की गिरावट के साथ ही 69,906 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखाई दी।

यूक्रेन के साथ युद्ध छेड़कर सबसे ज्यादा बैन झेलने वाला देश बना रूस, पुतिन को सताने लगा तख्तापलट का डर

मास्को (ईएमएस)। रूस यूक्रेन युद्ध का आज 13वां दिन है। दोनों देशों के बीच तीन दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला है। लगातार यूक्रेन पर हमले तेज कर रहे रूस के नाम एक अनोखा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है जिसे कोई भी देश अपने नाम नहीं करना चाहेगा। रूस का नाम दुनिया में सबसे ज्यादा प्रतिबंध झेलने वाले देश की सूची में टॉप पर पहुंच गया है। रूस पर 22 फरवरी से पहले 2754 प्रतिबंध लगे हुए थे जो कि 22 फरवरी यानी यूक्रेन पर हमले के बाद 7 मार्च तक उसपर और 2778 प्रतिबंध लगाए गए हैं।

ऐसे में रूस पर प्रतिबंधों की कुल संख्या बढ़कर अब 5350 हो गई है। रूस के इस अनचाहे रिकॉर्ड ने इस मामले में पहले से प्रतिबंध झेल रहे ईरान और उत्तर कोरिया को पीछे छोड़ दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में बहुत बड़ा दावा किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अगले हफ्ते तख्तापलट का डर सता रहा है।

खबर है कि रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोयगू रूस में तख्तापलट की कोशिश कर सकते हैं। यूक्रेन से युद्ध में रूस को अनुमान से ज्यादा नुकसान होने की वजह से रूस के रक्षा मंत्री बेहद चौंकाने वाला कदम उठा सकते हैं। यूक्रेन पर 24 फरवरी को हुए हमले के बाद जिस पैमाने पर रूस में युद्ध विरोधी प्रदर्शन हुए, उसे हैरान करने वाला बताया गया है। हमले के बाद पहले हफ्ते में देश भर में हुए प्रदर्शनों के दौरान 7,669 लोग हिरासत में लिए गए। ये जानकारी रूस के मानव अधिकार संगठन ओवीडी-इन्फो ने दी है।

पुतिन विरोधी नेता अलेक्सी नवालनी ने भी रूस के अंदर और बाहर युद्ध विरोधी प्रदर्शनों के आयोजन का आह्वान किया था। यूक्रेन से जंग के बीच रूस ने अपने दुश्मन देशों की लिस्ट बनाई है। रूस ने अपने दुश्मनों की लिस्ट में अमेरिका को टॉप पर रखा है जबकि यूक्रेन दूसरे नंबर पर है। रूस की लिस्ट में यूरोपीय देशों के साथ ऑस्ट्रेलिया और कनाडा का नाम भी शामिल कर लिया गया है। रूस की तरफ से 22 से ज्यादा देशों की लिस्ट को जारी किया गया है। जिन्हें उसने अनफ्रेंडली कहा है।

पुतिन की चार शर्तें मान लें जेलेंस्की, तब अभी रुक जाएं जंग

मास्को (ईएमएस)। रूस में पिछले 13 दिनों से जंग जारी है। जहां रूस यूक्रेन के कई बड़े शहरों पर हमला कर रहा है, वहीं यूक्रेन ने भी हार नहीं मानने की ठान ली है। रूस और यूक्रेन के बीच की तीसरे दौर की बातचीत भी बेनतीजा रही है। दोनों देशों के बीच युद्ध विराम पर कोई सहमति नहीं बनी है। रूस ने तीसरे दौर की वार्ता में युद्ध विराम के लिए यूक्रेन के सामने चार शर्तें रखी हैं। हालांकि रूस के खिलाफ काफी आक्रमक नजर आ रहे जेलेंस्की सरेंडर करने के मूड में कतई नजर नहीं आ रहे हैं।

वहीं युद्ध रोकने के लिए पुतिन की शर्तें

रूसी सरकार ने अपनी पहली शर्तें में कहा है कि यूक्रेन तुरंत अपनी सैन्य कार्रवाई बंद कर दे। क्रिमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि हम यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई रोक देंगे लेकिन इसके लिए यूक्रेन की सेना को रूस के खिलाफ अपनी कार्रवाई बंद करनी होगी।

दूसरी शर्त में यूक्रेन अपने संविधान में संशोधन करके इस प्रस्तावना को जोड़ता हैं, कि वहां कभी भी नाटो देशों को ज्वाइन नहीं करेगा,तब रूस इस युद्ध को रोकने में जरा भी देर नहीं लगाएगा।

यूक्रेन क्रीमिया को रूसी हिस्से के रूप में मान्यता दे। बता दें कि क्रीमिया कभी रूस का ही हिस्सा हुआ करता था। लेकिन 1954 में तत्कालीन सोवियत संघ के नेता खुर्सेव ने इसे यूक्रेन को तोहफे में दे दिया था। मार्च 2014 में रूस ने हमला कर वापस क्रीमिया को अपने में मिला लिया।

इसके अलावा यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में पड़ने वाले दोनियस्क और लुहांस्क के इलाकों को 2014 में अलगाववादियों ने स्वतंत्र देश घोषित कर दिया था। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू करने से पहले ही 15 फरवरी को रूसी संसद ने व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन के इन इलाकों को अलग देश का मान्यता देने का प्रस्ताव भेजा और 21 फरवरी को पुतिन ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए। प्रत्यक्षदर्शियों के दावे के अनुसार रूसी सेना ने यूक्रेन के सुरक्षा बलों द्वारा छोड़े गए एक बेस पर सैन्य उपकरण, तोपखाने और ईंधन डिपो के साथ दक्षिण-पूर्व यूक्रेन में बर्दियांस्क के बाहरी इलाके पर कब्जा कर लिया है।

यूक्रेन संकट- फ्रांसीसी राष्ट्रपति बोले- रूस के बिना 'स्थाई शांति' की बात करना नामुमकिन

नई दिल्ली (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन बम धमाकों से बेजार है। रूस के हमले को 13वां दिन है। दो बार की बैठक बेनतीजा रहने के बाद सोमवार को दोनों देशों के बीच फिर से तीसरे दौर की बातचीत हुई, लेकिन उसका भी कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिला। हालांकि, इस बैठक में शहरों में फंसे नागरिकों के लिए मानवीय गलियारा बनाने पर कुछ सकारात्मक चर्चा जरूर हुई है। बता दें कि आज फिर से ह्यूमन कॉरिडोर खोला जाएगा। उधर, संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने बताया कि रूस के हमले के बाद से अब तक 17 लाख से ज्यादा यूक्रेनी देश छोड़ कर मध्य यूरोप पहुंचे हैं। जंग के बीच कीव में रूसी सेना के बड़े हमले का अलर्ट है। यूक्रेन का कहना है कि रूस का वैगनर दस्ता कीव में घुस सकता है। वैगनर दस्ते में भाड़े के लड़ाके शामिल हैं।

पूर्व यूक्रेनी राष्ट्रपति यूनोकोविच बोले- जेलेंस्की को शांति समझौता कर रक्तपात रोकना चाहिए

कीव (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूस के बम धमाकों से कराह रहा है ऐसे में यहां के पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यूनोकोविच ने मौजूदा राष्ट्रपति जेलेंस्की को घेरा है। यूनोकोविच ने कहा कि जेलेंस्की को किसी भी तरह शांति समझौता करके इस रक्तपात को रोकना चाहिए। इस बीच संयुक्त राष्ट्र की तरफ से बताया गया है कि यूक्रेन से भागे रिफ्यूजियों की संख्या आज या कल में 20 लाख पहुंच सकती है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने रूस-यूक्रेन की जंग के बीच बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रूस और रूस के लोगों का सम्मान करना जरूरी है। वह बोले कि अगर रूस 'दुनिया की महान वास्तुकला' का हिस्सा नहीं होगा तो 'स्थाई शांति' की बात करना असंभव होगा। बता दें कि अबतक जंग के मसले पर फ्रांस का रवैया तल्ख था। लेकिन अब उसमें नरमी दिख रही है। यूक्रेन का दावा है कि रूसी मिसाइल ने जायटोमायर में एक और स्कूल को तबाह कर दिया है। हालांकि, स्कूल बंद था तो कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। दावा है कि रूस ने अब तक 202 स्कूल, 34 हॉस्पिटल, 1500 रिहायशी बिल्डिंग तबाह कर दिए हैं।

शेयर बाजार में मचा भूचाल, इन स्टॉक ने निवेशकों को कर दिया मालामाल

आईटीसी, टाटा स्टील, हिंडाल्को और कोल इंडिया प्रमुख

मुंबई (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग का सबसे खराब असर दुनिया भर के शेयर बाजारों पर हुआ है। पिछले कुछ सप्ताह से बाजार में चुनिंदा दिनों को छोड़कर लगातार गिरावट देखी गई है। सोमवार को भी बाजार में भारी गिरावट के साथ खुला, एक समय 3 फीसदी से ज्यादा टूटा हुआ था। पिछले 1 महीने के दौरान एनएसई निफ्टी और बीएसई सेंसेक्स में करीब 8 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। बीते एक हफ्ते में ही मार्केट में करीब 3 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन इस समय में भी कुछ चुनिंदा क्वालिटी स्टॉक हैं, जो लगातार अपने इन्वेस्टर्स को मालामाल बना रहे हैं।

डीबी रियल्टी, मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले सस्ते स्टॉक ने बीते एक हफ्ते के दौरान बड़ी-बड़ी कंपनियों को मीलों पीछे छोड़ दिया है। आज भले ही यह स्टॉक करीब 5 फीसदी गिरा हुआ है, लेकिन बीते 5 दिन की बात करें, तब यह अभी भी करीब 20 फीसदी चढ़ा हुआ है। अभी इस स्टॉक की वैल्यू एनएसई पर 100 रुपये से कुछ ज्यादा है। बीते 1 साल के दौरान इस स्टॉक ने 274 फीसदी का भारी-भरकम रिटर्न दिया है।

ओएनसीजी सरकारी कंपनी के इन्वेस्टर्स भी बाजार की गिरावट से अप्रभावित रहे हैं। जब बाजार लगातार गोते लगा रहा था, तब इस सरकारी कंपनी के स्टॉक की उड़ान जारी थी। बीते एक हफ्ते के दौरान ओएनजीसी स्टॉक एनएसई पर करीब 15 फीसदी चढ़ चुका है। सोमवार को भी धारा के विपरीत चाल चल रहा है। ब्रॉड मार्केट की बड़ी गिरावट से उलट ओएनजीसी स्टॉक एनएसई पर दोपहर 1 बजे 8 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 180 रुपये के आस-पास ट्रेड कर रहा था।

अडानी ट्रांसमिशन वैसी कंपनियों में से है, जिसके स्टॉक को कंसिस्टेंट परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है। सोमवार को भले ही यह स्टॉक करीब 3 फीसदी की गिरावट में है, लेकिन बाकी सारे मीट्रिक्स पर यह शानदार मालूम पड़ता है। बीते एक हफ्ते की बात करें,तब इसमें करीब 11 फीसदी का रिटर्न दिया है। यह स्टॉक पिछले 6 महीने में 33 फीसदी से ज्यादा तब साल भर में 184 फीसदी चढ़ा हुआ है। आज भले ही इस स्टॉक की वैल्यू 2,250 रुपये से ज्यादा हो चुकी है, लेकिन आज से 5 साल पहले यह महज 62 रुपये का था।

टाटा स्टील की गिनती देश की दिग्गज कंपनियों में होती है। कंपनी ने शेयर बाजार पर भी अपने कद के साथ न्याय किया है। सोमवार को यह स्टॉक 0.25 फीसदी के मामूली बढ़त के साथ ट्रेड कर रहा था, लेकिन बीते एक हफ्ते की बात करें, तब इसने 11 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। बीते 1 साल में तो इसकी वैल्यू डबल से भी ज्यादा हो चुकी है। आज से 1 साल पहले इसका भाव महज 541 रुपये था, लेकिन अभी यह 1,280 रुपये से भी ज्यादा हो चुका है।

आदित्य बिड़ला समूह की एल्यूमिनीयम एंड कॉपर कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड भी बाजार को मात देने में कामयाब रही है।सोमवार के ट्रेड में इस स्टॉक की वैल्यू 4 फीसदी से ज्यादा बढ़ी हुई है, जबकि एक हफ्ते की बात करें, तब इसने करीब 14 फीसदी का रिटर्न दिया है। यह कंपनी फोर्ब्स की दुनिया की 1000 सबसे बड़ी कंपनियों की लिस्ट का भी हिस्सा है।

पश्चिम बंगाल में हेडक्वार्टर वाली सरकारी कंपनी ने भी रिटर्न देने के मामले में कई नामी स्टॉक्स को पछाड़ा है।सोमवार को इसका स्टॉक एनएसई पर करीब 2 फीसदी की बढ़त में है, जबकि पिछले 5 दिनों में इसमें 12 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। कोयला प्रोडक्शन के मामले में दुनिया की इस सबसे बड़ी कंपनी के स्टॉक ने साल भर में 20 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

देश में एफएमसीजी से लेकर होटल और सॉफ्टवेयर सेगमेंट तक में बिजनेस करने वाली कंपनी आईटीसी लिमिटेड के लिए आम तौर पर बजट के बाद का समय ठीक साबित नहीं होता है। हर बार बजट में सिगरेट पर टैक्स बढ़ाने की खबर इसके स्टॉक के भाव गिरा देती हैं। हालांकि इस बार बजट में सिनफुल प्रॉडक्ट पर टैक्स नहीं बढ़ने से आईटीसी के लिए अच्छी खबर साबित हुआ। बीते एक हफ्ते की बात करें तब इस स्टॉक ने 6 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है।

फास्ट फूड के विज्ञापनों पर लगेगी लगाम, इसी माह के अंत तक जारी हो सकते हैं नियम

नई दिल्ली (ईएमएस)। बच्चों के बीच बढ़ते मोटापे को लेकर फिक्रमंद उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय सेहत के लिए नुकसानदेह माने जाने वाले जंक फूड से जुड़े विज्ञापनों पर लगाम लगाने के एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हाल ही में एक बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इस बारे में एक सुझाव दिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे से मिले आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा है कि देश में बच्चों के बीच बढ़ता मोटापा इसका एक सबूत है। अधिकारी ने कहा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) भी खाद्य उत्पादों के पैकेट पर पौष्टिक तत्वों का ब्योरा देने से संबंधित नियमों के साथ सामने आया है। उन्होंने कहा जंक फूड से संबंधित विज्ञापनों के असर को देखते हुए बच्चों पर केंद्रित विज्ञापनों के प्रावधान भी भ्रामक विज्ञापनों पर रोक संबंधी दिशानिर्देश में शामिल किया जा सकता है। इस दिशानिर्देश के मार्च के अंत तक सामने आने की उम्मीद है।

पुतिन ने रूसी फर्मों को रूबल में दी विदेशी भुगतान की अनुमति

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूसी कंपनियां अब विदेशी लेनदारों को रूबल में भुगतान कर सकेंगी। इस बारे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने हस्ताक्षर कर एक दस्तावेज जारी किया है। इन तरीकों से पूंजी डिफाल्टरों को रोकने में मदद मिलेगी। इस दस्तावेज के साथ लेनदारों को भुगतान करने के लिए संप्रभु और कॉर्पोरेट कर्जदारों के लिए अस्थाई नियम स्थापित हो जाएंगे। सरकार अगले 2 दिनों में एक सूची तैयार करेगी जिसमें उन देशों के नाम शामिल होंगे जो रूस के खिलाफ हैं। हाल के ही दिनों में विदेशी मुद्राओं में दिखाए गए रूसी कॉर्पोरेट बांड निचले स्तर पर आ गए हैं। यूक्रेन पर हमले के मद्देनजर देश पर लगाई गई पाबंदियों का प्रभाव निवेशकों पर पड़ा है। रूसी सरकार ने विदेशी मुद्राओं तक नाटकीय पहुंच को घटा कर पाबंदियों का जवाब दिया है, जो बांड होल्डर्स की ब्याज और मूल भुगतान प्राप्त करने की योग्यता को सीमित कर सकता है।

दूसरी तरफ क्लियरिंग हाऊस कलियरस्ट्रीम और यूरोकलियर ने सेटलमेंट मुद्रा के तौर पर रूबल को स्वीकार करना बंद कर दिया है। रूस ने बांड होल्डर्ज को भुगतान करने के लिए इस्तेमाल किए जाते रिवायती चैनल को छोड़ कर सभी ट्राई-पार्टी ट्रांजेक्शनों से रूसी संस्थाओं की तरफ से जारी की सभी सिक्योरिटीज को छोड़ दिया है। रविवार को एक अलग घोषणा में सेंट्रल बैंक ऑफ रूस ने कहा यह प्रतिबंधों के दबाव से बचाने के प्रयास में रूसी उधारदाताओं के लिए रिपोर्टिंग आवश्यकताओं को अस्थाई रूप से आसान बनाएगा।

नियामक ने कहा कि वाणिज्यिक बैंकों को अब अपने मासिक खातों को अपनी बेबसाइटों पर प्रकाशित नहीं करना होगा, हालांकि उन्हें अभी भी उन्हें केंद्रीय बैंक में जमा करना होगा और फिर उन्हें प्रतिपक्षों के सामने पेश कर सकते हैं। विदेशी-धारित ऋण के भुगतान पर शनिवार के आदेश के अनुसार भुगतानों को केंद्रीय बैंक की आधिकारिक दर पर रूबल में किए जाने पर निष्पादित माना जाएगा। रूसी बैंक निपटान के लिए विदेशी लेनदारों के नाम पर एक विशेष 'सी' रूबल-मूल्यवान खाता बनाने के लिए कह सकते हैं, जबकि स्थानीय लेनदारों को रूसी डिपॉजिटरी के माध्यम से भुगतान किया जाएगा। नियम के तहत प्रति मह 10 मिलियन रूबल (81,900 डॉलर) से अधिक की राशि पर लागू होता है। 2 मार्च को, रूस ने फरवरी 2024 को परिपक्व होने वाले ओएफजैड के रूप में जाने जाने वाले बांडों के 339 बिलियन रूबल के लिए 11.2 बिलियन रूबल कूपन पर भुगतान किया।

क्रिप्टोकरेंसी पर बाइडन इस सप्ताह जारी कर सकते हैं कार्यकारी आदेश

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इस सप्ताह क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं, जो डिजिटल मुद्रा के कारोबार को विनियमित करने की दिशा में पहला कदम होगा। यह कदम ऐसे वक्त में उठाया जा रहा है, जब प्रशासनिक अधिकारियों ने चिंता जताई है कि यूक्रेन पर हमले के जबाव में लगाए गए प्रतिबंधों को बेअसर करने के लिए रूस क्रिप्टोकरेंसी के इस्तेमाल कर सकता है।

इन प्रतिबंधों के चलते रूबल में ऐतिहासिक गिरावट आई और रूस ने अपने शेयर बाजारों को बंद कर दिया है। पूरी गतिविधि से परिचित दो लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि क्रिप्टोकरेंसी पर कार्यकारी आदेश इस सप्ताह जारी होने की उम्मीद है। इस पर युद्ध शुरू होने के काफी पहले से काम किया जा रहा था।

भारत में नहीं आएगी अब कोरोना की चौथी लहर : साइंटिस्ट का दावा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में कोरोना की तीसरी लहर समाप्त होने का दावा कर जाने-माने विषाणु विज्ञानी डॉ.टी जैकब जॉन ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है, कि देश में तब तक महामारी की कोई चौथी लहर नहीं आएगी, जब तक वायरस का कोई अनपेक्षित स्वरूप सामने नहीं आ जाता।

भारत में मंगलवार को कोरोना संक्रमण के 3,993 नए मामले सामने आए, जो पिछले 662 दिन में सबसे कम हैं। कोविड-19 की तीसरी लहर के दौरान संक्रमण के मामलों की संख्या 21 जनवरी के बाद कम होनी शुरू हो गई थी, जब एक दिन में संक्रमण के 3,47,254 मामले सामने आए थे।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के विषाणु विज्ञान में आधुनिक अनुसंधान केंद्र के पूर्व निदेशक जॉन ने कहा कि विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि वैश्विक महामारी की तीसरी लहर समाप्त हो गई है, देश एक बार फिर स्थानिक बीमारी के चरण में प्रवेश कर गया है। उन्होंने कहा कि मेरी निजी अपेक्षा और राय है कि हम चार सप्ताह से अधिक समय तक स्थानिक बीमारी के चरण में रहेगा। भारत में सभी राज्यों में इस तरह की प्रवृत्ति मुझे यह विश्वास दिला रही है।

भारत के साथ रक्षा और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना जरूरी : लिज ट्रस, ब्रितानी विदेश मंत्री

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन भारत के साथ रक्षा और आर्थिक संबंधों को लेकर काफी गंभीर है उसने कहा कि रूस-यूक्रेन संकट पर भारत का रुख रूस पर उसकी निर्भरता का परिचायक है और आगे की राह यह सुनिश्चित करना है कि भारत एवं ब्रिटेन के बीच आर्थिक एवं रक्षा संबंध मजबूत हों। ब्रिटिश संसद की विदेश मामलों की समिति (एफएसी) की सुनवाई के दौरान भारत के रुख के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री लिज ट्रस ने यह बात कही। यह समिति विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय के प्रशासन एवं नीति की समीक्षा के लिए जिम्मेदार होती है और इसमें सभी दलों के सदस्य होते हैं। ट्रस ने इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बात की थी और उन्हें यूक्रेन में रूस की कार्रवाई के खिलाफ रुख प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया था।

उन्होंने कहा, मैंने अपने समकक्ष जयशंकर से बातचीत की थी और उन्हें रूस के खिलाफ रुख प्रदर्शित करने के लिए यह कहते हुए प्रोत्साहित किया था कि हम इसे (यूक्रेन पर रूस की कार्रवाई को) संप्रभुता के उल्लंघन के तौर पर देखते हैं। विदेश मंत्री ने कहा, मेरा मानना है कि भारत के समक्ष रक्षा ही नहीं, बल्कि आर्थिक मामलों में भी रूस पर निर्भरता का मामला है। मेरा यह भी मानना है कि हमारे लिए आगे का रास्ता यह है कि भारत से आर्थिक और रक्षा संबंधों को और मजबूत किया जाए। ऐसा ब्रिटेन द्वारा ही नहीं, बल्कि समान विचारधारा वाले सहयोगी देशों द्वारा भी किया जाना चाहिए। ट्रस ने लंदन में 'विदेश व्यापार समझौते' (एफटीए) पर सोमवार को हुई दूसरे चरण की वार्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक देशों के कुनबे में भारत को शामिल करना है।

भारत पोर्क के बाद चेरी और अल्फाल्फा के लिए अपना बाजार खोल दें : अमेरिका

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने अपनी ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा है, कि बाइडन प्रशासन चाहता है कि भारत पोर्क (सूअर का मांस) के बाद चेरी और अल्फाल्फा के लिए अपना बाजार खोल दें। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने पोर्क के आयात का मामला गत वर्ष नवंबर में आयोजित अमेरिका-भारत व्यापार नीति मंच की बैठक में उठाया था और इस साल जनवरी में जारी बयान में बताया गया कि मोदी सरकार अमेरिकी पोर्क एवं उसके उत्पादों के आयात को मंजूरी देने के लिए तैयार हो गई है। यूएसटीआर ने कहा, ''2022 में यूएसटीआर चेरी और अल्फाल्फा घास के लिए बाजार पहुंच को अंतिम रूप देने पर भारत के साथ बातचीत जारी रखेगा। अल्फाल्फा मटर परिवार का फूल देने वाला एक पौधा है। यूएसटीआर की रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी संकट से निपटने के भारत और अमेरिका सहयोग करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और भारत लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने तथा बाजार अर्थव्यवस्थाओं और लोकतंत्रों के लिए एक पारदर्शी, नियम आधारित व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देने पर भी सहयोग करेगा।

भारत पर सीएएटीएसए पाबंदियां लगाना बड़ी मूर्खता होगी : टेड क्रूज

वॉशिंगटन (ईएमएस)। भारत-रूस संबंधों की निकटता पर अमेरिका की वक्र दृष्टि के बीच यहां के रिपब्लिकन पार्टी के नेता और प्रभावशाली सांसद टेड क्रूज ने देश के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन से कहा कि रूस से एस-400 मिसाइल खरीदने के लिए भारत पर 'अमेरिकी विरोधियों से प्रतिबंधों के माध्यम से मुकाबला करने का अधिनियम' (सीएएटीएसए) के तहत कोई भी प्रतिबंध लगाना असाधारण मूर्खता होगी। क्रूज ने कहा, इस प्रकार की रिपोर्ट मिली हैं कि बाइडन प्रशासन पृथ्वी पर सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के खिलाफ सीएएटीएसए प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। मुझे लगता है कि यह फैसला असाधारण रूप से मूर्खतापूर्ण होगा। क्रूज ने पिछले सप्ताह कहा था कि बाईडेन प्रशासन में भारत और अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं। उन्होंने कहा, भारत कई क्षेत्रों में एक अहम साझेदार है और हाल के कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका का गठबंधन और गहरा एवं मजबूत हुआ है, लेकिन बाइडन प्रशासन में यह पीछे की ओर जा रहा है।

क्रूज ने यूक्रेन में रूस के आक्रमण के निंदा प्रस्ताव पर मतदान के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत की अनुपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश नहीं है, जिसने ऐसा किया है। क्रूज ने सीनेट की विदेश मामलों की समिति के समक्ष एक अन्य सुनवाई के दौरान कहा कि पिछले एक साल में बाइडेन प्रशासन के तहत भारत के साथ संबंध 'काफी खराब' हुए हैं, जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के हाल में उपस्थित नहीं रहने से जाहिर है।

यूक्रेन के लिए 723 मिलियन डॉलर की मंजूरी:विश्व बैंक

-पैकेज में 350 का पूरक ऋण और 139 मिलियन डॉलर की गारंटी

वाशिंगटन(ईएमएस)। विश्व बैंक ने यूक्रेन के लिए 723 मिलियन डॉलर के वित्तीय पैकेज को मंजूरी देने की घोषणा की है। अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक बयान में, वैश्विक ऋणदाता ने कहा कि विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मंडल ने यूक्रेन के लिए एक पूरक बजट सहायता पैकेज को मंजूरी दी। बयान के अनुसार, बोर्ड द्वारा अनुमोदित पैकेज में 350 मिलियन डॉलर के लिए एक पूरक ऋण और 139 मिलियन डॉलर की गारंटी शामिल है और यह 134 मिलियन डॉलर का अनुदान वित्तपोषण और 100 मिलियन डॉलर के समानांतर वित्तपोषण को भी जुटा रहा है। इसके परिणामस्वरूप 723 मिलियन डॉलर का कुल जुटाया गया समर्थन है।

बयान में कहा गया है कि 'तेजी से संवितरण समर्थन सरकार को यूक्रेनी लोगों को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगा, जिसमें अस्पताल के कर्मचारियों के लिए मजदूरी, बुजुर्गों के लिए पेंशन और कमजोर लोगों के लिए सामाजिक कार्यक्रम शामिल हैं।' इसमें कहा गया है कि प्रारंभिक विश्व बैंक समर्थन को नीदरलैंड से 80 मिलियन यूरो (89 मिलियन डॉलर) और स्वीडन से 50 मिलियन डॉलर की गारंटी के साथ बढ़ाया गया था। विश्व बैंक ने आगे कहा कि उसने 134 मिलियन डॉलर की राशि में यूके, डेनमार्क, लातविया, लिथुआनिया और आइसलैंड के योगदान के साथ यूक्रेन को दाताओं से अनुदान संसाधनों को चैनल करने की सुविधा के लिए एक बहु-दाता ट्रस्ट फंड (एमडीटीएफ) भी अबतक स्थापित किया है।

इसके अलावा, जापान 100 मिलियन डॉलर के समानांतर वित्तपोषण को समर्थन पैकेज से जोड़ रहा है। वैश्विक ऋणदाता के अध्यक्ष डेविड मलपास ने बयान में कहा, ठविश्व बैंक समूह यूक्रेन और उसके लोगों को हिंसा और रूसी आक्रमण के कारण अत्यधिक व्यवधान का समर्थन करने के लिए त्वरित कार्रवाई कर रहा है।ठ

निवेशकों के लिए इस महीने आ रहे 1.10 लाख करोड़ से ज्यादा के आईपीओ

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस साल की शुरुआत से ही बाजार पर दबाव बना हुआ है। अभी तक बाजार में 10 फीसदी तक की गिरावट आ चुकी है। आईपीओ मार्केट पर भी इसका असर पड़ा है। पिछले साल रिकॉर्ड संख्या में आईपीओ आने के बाद इस साल इनकी रफ्तार अब तक थोड़ी सुस्त रही है। नए साल के 2 महीने गुजर चुके हैं और अभी तक कुछ ही आईपीओ मार्केट में आए हैं। हालांकि ऐसा लग रहा है कि मार्च में यह ट्रेंड बदल सकता है। मार्च महीने में एक के बाद एक 15 आईपीओ कतार में हैं और ये मिलकर 1.10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाने का प्रयास करने वाले हैं।

शेयर मार्केट पिछले 1 महीने में 8 फीसदी से ज्यादा टूटा है। घरेलू शेयर बाजार अभी करीब 8 महीने के निचले स्तर पर है और पिछले साल अगस्त के बाद पहली बार निफ्टी (एनएसई) 16 हजार अंक से नीचे उतरा है।

इस तरह देखें तो यह आईपीओ के लिहाज से ठीक माहौल नहीं है। इस साल अभी तक आए आईपीओ में एक अडानी विल्मर का ही परफॉर्मेंस कुछ ठीक रहा है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि कुछ प्रस्तावित आईपीओ को टाला भी जा सकता है। इस महीने के लिए प्रस्तावित आईपीओ में सबसे बड़ा नाम है सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी (एलआईसी आईपीओ) का। यह आईपीओ देश के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ होने वाला है। सरकारी बीमा कंपनी इस आईपीओ से करीब 66 हजार करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास करने वाली है। इस आईपीओ में सरकार अपनी 5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने वाली है। इसमें इन्वेस्टर्स के पास करीब 3.2 करोड़ शेयर खरीदने का मौका होगा। हालांकि कुछ खबरों में कहा जा रहा है कि बाजार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इसे अगले फाइनेंशियल ईयर के लिए टाला जा सकता है।

इसके बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण आईपीओ होगा देश के सबसे बड़े शेयर बाजार एनएसई का। यह आईपीओ 10 हजार करोड़ रुपये का हो सकता है। यह आईपीओ काफी पहले आने वाला था लेकिन कई कारणों से यह टलता रहा। अज्ञात योगी प्रकरण सामने आने के बाद यह स्टॉक एक्सचेंज बीते कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसे बीएसई पर लिस्ट किया जएगा। इसके अलावा एनएसई को किसी विदेशी एक्सचेंज पर भी लिस्ट किया जा सकता है। इस महीने के लिए प्रस्तावित अन्य बड़े आईपीओ में स्टार्टअप कंपनी ओयो रूम्स का करीब 8,500 का इश्यू,

महिला शक्ति के सर्वग्राही कल्याण के लिए राज्य सरकार ने 'स्वास्थ्य-शिक्षा-सुरक्षा' का त्रिस्तरीय दृष्टिकोण अपनाया : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में सहभागी होते हुए स्पष्ट मत व्यक्त किया कि राज्य सरकार ने महिला शक्ति के सर्वग्राही कल्याण के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा का त्रिस्तरीय दृष्टिकोण अपनाया है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के इस वर्ष में नारी शक्ति के सर्वांगीण उत्थान के लिए महिला बाल कल्याण विभाग के बजट में 42 प्रतिशत की भारी वृद्धि करते हुए 4976 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को गांधीनगर में आयोजित समारोह में वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए गुजरात महिला विकास पुरस्कार, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता और तेडागर (बच्चों को आँगनबाड़ी ले जाने वाली) बहनों को माता यशोदा पुरस्कार के अंतर्गत नक़द राशि, शॉल और प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने महिला और बाल कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती मनीषाबेन वकील, स्वास्थ्य राज्य मंत्री निमिषाबेन सुथार की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में गंगा स्वरूपा माताओं का सम्मान, 'व्हाली दीकरी योजना' (प्यारी बिटिया योजना) के कुल 1.10 लाख रुपए के स्वीकृति सहायता आदेश वितरण तथा महिला स्वावलंबन योजना की लाभार्थी बहनों को चेक वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने इस बजट में माताओं-बहनों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्योन्मुख कार्यक्रमों के तहत कुपोषण मुक्त उज्ज्वल कल के निर्माण के उद्देश्य से 'सुपोषित माता-स्वस्थ बाल योजना' शुरू करने का प्रावधान किया है। मातृ शक्ति स्वयं स्वस्थ और सुपोषित रहे, तो उसके हाथों तैयार होने वाली पीढ़ियाँ भी सक्षम-समर्थ बनेंगी। इसके लिए सरकार ने गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं की 1 हज़ार दिन देखभाल करने का दृष्टिकोण अपनाया है। उन्होंने इसकी विस्तृत भूमिका देते हुए कहा कि ऐसी माता-बहनों को 1 हज़ार दिनों तक हर महीने 1 किलो अरहर दाल, 2 किलो चना और 1 लीटर तेल निःशुल्क दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बच्चों को पूरक पोषण आहार के रूप में आयरनयुक्त फ़ोर्टीफ़ाइड आटा लॉन्च किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वस्थ पीढ़ी के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा रासायनिक खादमुक्त प्राकृतिक खेती का जो रस्ता दिखाया है, उसकी ओर मुड़ने के लिए मातृशक्ति का आह्वान भी किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात में कन्या साक्षरता दर बढ़ाने और बेटियों को शिक्षित करने हेतु शुरू की गई 'कन्या शिक्षा-विद्यालय प्रवेशोत्सव योजना' के साथ कन्या जन्म दर को बढ़ाने वाली 'व्हाली दीकरी योजना' में कन्या शिक्षा के लिए दी जाने वाली सहायता के विषय में विस्तृत जानकारी दी। भूपेंद्र पटेल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इस गौरवपूर्ण समारोह के अवसर पर कुछ समय पहले आयोजित पैरा ओलम्पिक में राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली 6 बेटियों की सिद्धि गाथा और यूक्रेन-रूस की वर्तमान स्थित में भारतीयों को 'ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत फ़्लाइट से सुरक्षित स्वदेश वापस लाने वाली कच्छ की पायलट पुत्री दिशा गडा की सफलता का भी उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य में माताओं, बहनों, बेटियों की आपातकालीन सहायता के लिए 181 अभयम् हेल्पलाइन सहित अन्य सुरक्षा योजनाओं का भी विवरण दिया। उन्होंने इस अवसर पर देवभूमि द्वारका में 48.69 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित सखी वन स्टॉप सेंटर, 4.97 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुई 72 आँगनबाड़ियों का ई-लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने 2.61 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन 23 आँगनबाड़ियों का ई-भूमिपूजन किया।

महिला एवं बाल कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती मनीषाबेन वकील ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी महिलाओं को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण के लिए देखे गए सपने को पूरा करने के लिए राज्य की नारी शक्ति ने भी स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता से आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने समाज में आधा संख्या बल रखने वाली महिला शक्ति को शिक्षा के शस्त्र से सुसज्ज होकर भविष्य बनाने की प्रेरणा भी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपनाए गए महिला सशक्तीकरण के नए आयाम के चलते आज बेटियाँ सरकारी सेवाओं में उच्च पदों, पायलट, सुरक्षा बलों में प्रतिष्ठित पदों पर अपना कौशल दिखा रही हैं।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्रीमती निमिषाबेन सुथार ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिला शक्ति को सदैव पूजनीय और प्रथम स्थान दिया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्त्व में राज्य सरकार द्वारा महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाए गए क़दमों की भी जानकारी दी।

11 मार्च को एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक पीएम मोदी के भव्य स्वागत की तैयारी

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 11 मार्च से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं कोरोनाकाल के पश्चात पहली बार पीएम मोदी कोई बड़े कार्यक्रम में शामिल होने गुजरात आ रहे हैं ऐसे में पीएम मोदी के भव्यातिभव्य स्वागत की भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं पीएम मोदी 11 मार्च को दिल्ली से सुबह 10 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे जहां से पीएम मोदी गुजरात भाजपा मुख्यालय कमलम जाएंगे अहमदाबाद एयरपोर्ट से लेकर गांधीनगर कमलम तक पीएम मोदी का भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से भव्य स्वागत किया जाएगा जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों जमा करने की जिम्मेदारी भाजपा युवा मोर्चा, शहर संगठन और महिला मोर्चा को सौंपी गई हैं युवा मोर्चा की ओर से रैली का भी आयोजन किए जाने की संभावना हैं करीब पांच हजार जितने युवक बाइक रैली में शामिल होंगे 11 बजे पीएम मोदी भाजपा मुख्यालय कमलम पहुंचेंगे, जहां पार्टी के सभी नेता और विधायकों के साथ बैठक करेंगे कमलम में बैठक के बाद पीएम मोदी शाम 4 बजे अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित सरपंच सम्मेलन में शिरकत करेंगे सम्मेलन को राज्य के जिला और तहसील स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी संबोधित करेंगे सरपंच सम्मेलन में करीब दो लाख लोगों को एकत्र करने की भाजपा नेताओं ने आदेश दिया हैं इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अहमदाबाद शहर भाजपा संगठन, सभी नगर पार्षद, विधायक और कार्यकर्ताओं को आदेश दिया गया हैं दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन 12 मार्च को सुबह 11 बजे के आसपास गांधीनगर के वलाद स्थित राष्ट्रीय रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में पीएम मोदी शिरकत करेंगे शाम 6.30 बजे के आसपास पीएम मोदी अहमदाबाद के नवरंगपुरा क्षेत्र स्थित सरदार पटेल स्टेडियम में गुजरात खेल महाकुंभ 2022 का शुभारंभ कराएंगे इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए ऐसी व्यवस्था की जाएगी, जैसे अमेरिका के पहले दौरे के दौरान स्टेडियम के बीचो बीच लाइटें और स्टेज बनाया गया थ केवल स्टेज ही नहीं पूरा सरदार पटेल स्टेडियम को रौशनी से जगमगाने की व्यवस्था की जा रही ह

घोटाले का पर्दाफाश होने पर दोनों को सजा मिली

अधिकारी पत्नी के नाम पर आय से ज्यादा की संपत्ति खरीदी

१९९० से २००४ के दौरान हुई आय की अपेक्षा कई गुना ज्यादा की संपत्ति लेकर फंस गये

अहमदाबाद, ८ मार्च ।

सीबीआई की स्पेशियल कोर्ट ने आय से ज्यादा की संपत्ति रखने वाले दंपत्ति के घोटाले के केस में एक सरकारी अधिकारी और उनकी पत्नी दोनों को अपराधी ठहराया गया है । केस में यह जानकारी सामने आई है कि पत्नी ने २३ लाख रुपये की संपत्ति खरीदकर और अपनी आय ११३८ के सामने ४.४४ लाख रुपया खर्च किया था । जांच में सामने आया कि अधिकारी ने अपनी पत्नी के नाम पर संपत्ति की खरीदी की थी । इस अपराध में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड क्लास-१ डेवलपमेंट अधिकारी जगदीश राउत को ५ वर्ष की जेल की सजा सुनाई गई है, जबकि उनकी पत्नी को दो वर्ष की जेल की सजा सुनाई गई है । उमरगाम के निवासी आरोपी दंपत्ति को घोटाला निवारण कानून के तहत दोषी ठहराकर २०-२० हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है । पत्नी को इस केस में कथित रूप से अधिकारी की आय से ज्यादा की संपत्ति लेने के लिए दबाव करने के लिए जुर्माना लगाया गया है । सीबीआई ने जगदीश राउत के खिलाफ केस दर्ज करके आरोप लगाया कि १९९० से २००४ तक में मिलने पर स्त्रोत के अनुसार जगदीश की आय १८ लाख रुपये होती थी लेकिन परिवार ने ६४ लाख रुपये का खर्च किया था । अधिकारी पर अपने नाम पर और पत्नी तथा परिवार के सदस्यों के नाम पर संपत्ति लेने का आरोप था । यह संपत्ति जगदीश की आय से २५४.७४ फीसदी ज्यादा कीमत की होने का मालूम हुआ । केस चलने के बाद कोर्ट ने देखा कि दंपत्ति द्वारा जमा की गई कुल आय की अपेक्षा २६ लाख ज्यादा की संपत्ति थी, जो आय के स्त्रोत की अपेक्षा १४४.३५ फीसदी थी । कोर्ट ने जगदीश राहुत को दोषी ठहराया, उनकी पत्नी हीना को भी संपत्ति लेने के लिए दोषी ठहराया है । कोर्ट ने देखा कि उनकी पत्नी की आय सिर्फ ११३८ रुपया थी । कोर्ट ने अपने आदेश में बताया है कि, रिकॉर्ड ऐसा कहीं भी साबित नहीं होता है जो बताता है की हीना ने किसी भी तरीके से धन उपार्जन किया हो और बाद में इसका खर्च किया गया हो । कोर्ट ने भी बताया कि जगदीश राउत ने जो संपत्ति खरीदी है यह अधिकतर पत्नी के नाम पर है ।

कनाडा के वीजा के लिए माइके से ५ लाख नहीं लाने पर पत्नी को छोड़ दिया

अहमदाबाद, ८ मार्च ।

शहर के चांदखेडा क्षेत्र में रहती ३० वर्षीय महिला ने रविवार को पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी । जिसमें उसने आरोप लगाया है कि, इसके पति ने कनाडा के वर्क परमिट वीजा के लिए ट्रावेल एजेंट को पांच लाख चुकाने के लिए इसके मां-पिता से रुपया लेकर आने के लिए कहा था । हालांकि, उसने मना करने पर पति ने इसके साथ मारपीट की थी और छोड़ दिया था । महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि, ३० जनवरी को उसने चांदखेडा में रहते पुरूष के साथ हुई थी शादी और उनके दोनों की दूसरी शादी थी । गत वर्ष बेटी को जन्म देने के बाद पति की पत्नी की कोविड-१९ की वजह से मौत हुई थी । जबकि महिला ने पहले २०१७ में गांधीनगर में रहते पुरूष के साथ शादी की थी और एक वर्ष में उनका तलाक हुआ था । दूसरी शादी करने के बाद महिला चांदखेडा में अपने ससुराल में रहने लगी थी । उसने अपना पति कनाडा में वर्क परमिट वीजा लेने की तैयारी कर रहे होने का बताया । उसने शराब पीने का शुरू कर दिया था और कनाडा में इसकी जरूरत होगी इसी वजह से वह प्रैक्टिस कर रहे होने का उसने कहा था । जबकि महिला ने पति को शराब पीने का मना किया तब उसने पीटा था, यह उल्लेख किया गया है । महिला ने कहा है कि, इसका पति इसे कनाडा में स्थाई होने में मदद करने के लिए इसके मां-पिता से पांच लाख रुपया लेकर आने की मांग कर रहा था । इसके मां-पिता इतने रुपये देने के लिए सक्षम नहीं होने का उसने मना कर दिया था । इसके बाद इसके पति ने इसे पीटा था और रविवार को इसके मां-पिता के घर पर छोड़कर आ गया था । उसने पुलिस कंट्रोल रुम को फोन किया था और पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का अपराध दर्ज कराया था । अहमदाबाद जैसे मेट्रो सिटी में भी महिला पर होने पर अत्याचार के केस कम नहीं हो रहे हैं । नियमित घरेलू हिंसा के केस अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज हो रहे हैं ।

भारतीय जनता पार्टी पर लगाये आरोप

विधानसभा में कांग्रेस ने उठाया नाथूराम गोडसे के महिमामंडन का मुद्दा

भाजपा के मंत्री ने कहा कि संघ की पाठशाला में गांधीजी के आदर्श पढ़ाए जाते हैं, गोडसे का महिमामंडन नहीं किया जाता

अहमदाबाद, ८ मार्च ।

गुजरात विधानसभा में चर्चा के दौरान कांग्रेस ने नाथूराम गोडसे के महिमामंडन का मुद्दा उठाते हुए सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी पर लगाये तो भाजपा के वरिष्ठ मंत्री ने कहा कि संघ की पाठशाला में भी गांधीजी के आदर्श पढ़ाए जाते हैं, गोडसे का महिमामंडन नहीं किया । गुजरात के जामनगर एवं वलसाड में गोडसे की प्रतिमा स्थापित करने एवं एक प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा में गोडसे को लेकर निबंध लिखे जाने की घटना का उल्लेख करते हुए कांग्रेस विधायक नौशाद सोलंकी ने कहा कि गांधीजी के गुजरात में गोडसे का महिमामंडन किया जा रहा है । गोडसे आजाद भारत का पहला आतंकवादी था । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने नागपुर स्थित मुख्यालय पर ५२ साल तिरंगा नहीं लगाया था और आज वह राष्ट्रवाद और देशभक्ति की बातें करता है ऐसे आरोपों को लेकर विधानसभा में खूब हंगामा हुआ । इसके बाद पूर्व शिक्षा मंत्री भूपेंद्र चुडासमा ने दो टूक कहा कि सरकार एवं भाजपा ने कभी भी गोडसे का महिमामंडन नहीं किया ।

संघ की शाखा में भी गांधीजी के आदर्श सिखाए जाते हैं । कांग्रेस के आरोप बेबुनियाद है तथा वह हमेशा विवाद पैदा करने के प्रयास में रहती है । गौरतलब है कि सौराष्ट्र के जामनगर में हिंदू सेना नामक एक संस्था ने एक सार्वजनिक पार्क में नाथूराम गोडसे की प्रतिमा स्थापित की थी जिसे तुरंत शहर कांग्रेस के नेताओं ने तोड़ डाला था । इसके बाद दक्षिण गुजरात के वलसाड में एक स्कूल के प्रतियोगिता परीक्षा में नाथूराम गोडसे पर निबंध लिखा गया जिसको लेकर कांग्रेस ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान खूब हंगामा किया । कांग्रेस विधायक नौशाल सोलंकी ने कहा कि गांधीजी ने कहा था कि जब तक भारत देश रहेगा तब तक कांग्रेस नामक संस्था चलेगी देश खत्म होगा तब भी यह संस्था खत्म होगी ।

विधानसभा का घेराव करने जा रही महिलाओं के हिरासत में लेने पर कांग्रेस का वॉकआउट

अहमदाबाद (ईएमएस) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कांग्रेस ने गांधीनगर की सत्याग्रह छावनी में कार्यक्रम का आयोजन किया थ कार्यक्रम के बाद पुलिस सेवादल की महिलाओं को उस समय हिरासत में ले लिया जब वे विधानसभा का घेराव करने जा रही थ इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने विधानसभा में राज्य की भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार करते हुए सदन से वॉकआउट किय विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सेवादल की महिलाओं पर पुरुष पुलिस अधिकारियों ने हाथ उठाया हैं आज महिला दिवस है और आज ही महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गय मंजूरी मिलने के बाद आयोजित कार्यक्रम में पुलिस की बर्बरता क्यों की? इसका गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी को सदन में जवाब देना चाहिए जिसके बाद कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा से वॉकआउट किय विधानसभा के बाहर कांग्रेस विधायक गेनी ठाकोर ने कहा कि गृह राज्यमंत्री के आदेश पर कार्यवाही की गई है, जबकि सेवादल की महिलाएं शांतिपूर्ण रूप से कार्यक्रम कर रही थ इसके बावजूद महिला कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई गेनी ठाकोर ने कहा कि अगर महिलाओं के प्रति संवेदना है तो उनके साथ मारपीट करनेवाले पुलिसकर्मियों को तुरंत सस्पैंड किया जाना चाहिए इस मुद्दे पर कांग्रेस ने गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के इस्तीफे की मांग की हैं कांग्रेस ने कहा कि भाजपा शासन में केवल महिला सम्मान के दावे किए जाते हैं, वास्तव में महिलाएं सुरक्षित ही नहीं हैं कांग्रेस के आरोप पर गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि महिलाओं को हिरासत में जरूर लिया गया है, लेकिन उनके साथ मारपीट नहीं की गई

राज्य की महिला शक्ति को उजागर करेगी वुमन स्टार्टअप की सफलता की 75 कहानियां: मुख्यमंत्री

- भूपेंद्र पटेल ने महिला स्टार्टअप की कहानियों को प्रस्तुत करती कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने महिला स्टार्टअप की कहानियों (वुमन स्टार्टअप स्टोरीज) पर आधारित कॉफी टेबल बुक के विमोचन अवसर पर कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के वर्ष में महिला स्टार्टअप की सफलता की 75 गाथाएं राज्य की महिला शक्ति को उजागर करेंगी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को गांधीनगर में आई-हब और स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (एसएसआईपी) के अंतर्गत तैयार की गई कॉफी टेबल बुक '75 स्टोरीज ऑफ स्टार्टअप एंड इनोवेशन' का शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी की उपस्थिति में विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री गुजरात की महिला शक्ति के बल पर राज्य के स्टार्टअप और इनोवेशन के क्षेत्र को और भी उन्नत बनाने के प्रखर हिमायती हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री ने उनके आवास पर राज्य के युवा स्टार्टअप संचालकों को आमंत्रित कर उनके साथ वन-टू-वन संवाद किया था। उल्लेखनीय है कि इनोवेशन के 12 क्षेत्रों तथा राज्य की यूनिवर्सिटियों एवं इंक्यूबेटर्स में योगदान दे रहीं 75 महिला उद्यमियों के स्टार्टअप का वर्णन करने वाली इस कॉफी टेबल बुक का संकलन शिक्षा विभाग ने किया है। गुजरात की महिलाएं को स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रेरित करने को राज्य सरकार ने एसएसआईपी और आई-हब के अंतर्गत 'वी-स्टार्ट', 'वुमन स्टार्टअप डेमो डे' और 'वी-एंगेज' जैसे फ्लैगशिप प्रोग्राम क्रियान्वित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कॉफी टेबल बुक युवा महिला उद्यमियों के विचारों और क्षमताओं को जनता के समक्ष प्रस्तुत करेगी, जिससे 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने में योगदान मिलेगा। इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री कुबेरभाई डिंडोर और शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव एस.जे. हैदर मौजूद थे।

शिक्षा बोर्ड द्वारा तीसरी बार तारीख बदली गई

कक्षा-९ और ११ की वार्षिक परीक्षा १९ से २८ अप्रैल के दौरान ली जाएगी

अहमदाबाद, ८ मार्च ।

गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (जीएसईबी) द्वारा इस वर्ष में कक्षा-९ और ११ की वार्षिक परीक्षा २१ अप्रैल से लेने की घोषणा की थी । हालांकि, जवाहर नवोदय की परीक्षा की वजह से शिक्षा बोर्ड द्वारा कार्यक्रम में बदलाव किया गया है । जिसकी वजह से अब राज्य में कक्षा-९ और ११ की वार्षिक परीक्षा दो दिन यानी कि २१ अप्रैल से शुरू होने वाली परीक्षा अब १९ अप्रैल से शुरू होगी, जो २८ अप्रैल को पूरी होगी । उल्लेखनीय है कि, राज्य में कोरोना की तीसरी लहर की वजह से स्कूलों में ऑफलाइन शिक्षा बंद होने पर सरकार द्वारा विद्यार्थियों के हित में कक्षा-९ से १२ सभी परीक्षा दो सप्ताह बाद में लेने का निर्णय किया गया । जिसकी वजह से कक्षा-९ और ११ की वार्षिक परीक्षा के कार्यक्रम में बदलाव किया गया और ११ अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की गई थी । हालांकि अब बोर्ड द्वारा फिर एक बार कक्षा-९ और ११ की वार्षिक परीक्षा के कार्यक्रम में बदलाव करने का निर्णय लिया गया है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा-९ और ११ की वार्षिक परीक्षा का पहले जो कार्यक्रम घोषित किया गया था इसके अनुसार परीक्षा तारीख ११ अप्रैल से २१ अप्रैल के दौरान लेने की घोषणा की गई थी । हालांकि कोरोना आने की वजह से दूसरी बार बढ़ाने का निर्णय लिया गया था और अब जवाहर नवोदय की परीक्षा की वजह से शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा-९ और ११ की वार्षिक परीक्षा की तारीख फिर से बदली गई है । पुणा में नवोदय विद्यालय समिति क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा पत्र लिखकर पेशकश की गई थी कि, शैक्षणिक वर्ष २०२२-२३ के लिए जवाहर विद्यालय में कक्षा ६ में प्रवेश लेने के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय सिलेक्शन टेस्ट २०२२ पूरे देश में ३० अप्रैल को ली जाने वाली है । जिसकी वजह से कक्षा-९ और ११ की वार्षिक परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा निश्चित की गई तारीखों में से २९ अप्रैल और ३९ अप्रैल में बदलाव करने के लिए विनंती की थी जिसकी वजह से शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा के कार्यक्रम में बदलाव किए जाने की जानकारी मिली है ।

राजकोट रेल मंडल में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

महिला रेलकर्मियों के लिए आयोजित किया गया हैल्थ चेकअप कैंप एवं जागरूकता अभियान

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन राजकोट द्वारा संचालित योग मंदिर को पूरे हुए नौ साल

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन राजकोट की अध्यक्षा श्रीमती विदु जैन के नेतृत्व में राजकोट रेल मंडल में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 की थीम 'जेंडर इक्वैलिटी फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो' है। रेलवे हॉस्पिटल राजकोट मंडल द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह' के उपलक्ष में महिला रेलकर्मियों तथा रेल परिवार की महिलाओं के लिए साप्ताहिक हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। राजकोट स्थित डीआरएम ओफिस में कार्यरत 183 महिलाओं का इस कैंप में हेल्थ चेकअप किया गया। समूचे राजकोट डिविजन में कुल 418 महिलाओं का हेल्थ चेकअप किया गया। डॉ निनु तथा डॉ हिमाली द्वारा महिलाओं में होने वाले स्तन और गर्भाशय के केन्सर के कारण, बचाव तथा उपचार की जानकारी दी गयी। राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन द्वारा राजकोट स्थित रेलवे लोको कॉलोनी की महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गयी। इसी तरह का जागरूकता अभियान द्वारका, जामनगर, हापा, वांकानेर, सुरेन्द्रनगर आदि विभिन्न स्टेशनों पर भी मेडिकल विभाग द्वारा चलाया गया। महिला कल्याण संगठन राजकोट की अध्यक्षा श्रीमती विदु जैन द्वारा 'स्वस्थ महिला, स्वस्थ समाज' विषय पर चिकित्सा विभाग की ओर से प्रकाशित त्रिमासिक ई-पत्रीका का विमोचन किया गया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन राजकोट द्वारा लोको कॉलोनी, राजकोट में संचालित निःशुल्क योग मंदिर के आज नौ साल पूरे हुए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डीआरएम श्री अनिल कुमार जैन ने पिछले नौ सालों से लगातार योग प्रशिक्षक के रूप में सेवा दे रही रेलकर्मी श्रीमती गुरुमुख कौर वासन के कार्य की सराहना की तथा उपस्थित सभी महिलाओं से नियमित रूप से योग करने की अपील की। इस अवसर पर महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्षा श्रीमती मीता सैनी सहित अन्य महिला सदस्य, राजकोट मंडल के चीफ़ मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डॉ एम आर चक्रवर्ती तथा मंडल परिचालन प्रबंधक (गूड्स) श्रीमती रिनी उपस्थित थे।

मास्ट रकार्ड महिला उद्यमियों को बिजनेस में सफल होने के लिए तकनीक का लाभ उठाने में बना रहा है सक्षम

छोटे व्यावसाय और उससे जुड़े हुए कारोबारी भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े स्तंभों में से एक है, लेकिन अभी भी खासतौर से टियर 2 एवं टियर 3 शहरों में महिला उद्यमियों की मदद के लिए एक गंभीर और स्थायी दखल की जरूरत है। आज के दौर में भी महिला से उम्मीरद की जाती है कि वह बस एक पत्नी , एक मां की भूमिका को बखूबी निभाये। घर के दूसरे सदस्यों की अच्छेम से देखभाल करे। जो महिला एक कारोबारी के रूप में अपनी पहचान बनाती है, वह इस खास सांचे में ढली भूमिका की सदियों से चली आ रही परंपरा के उलट काम करती है।

पिछले 2 सालों में खासतौर से महामारी के दौरान भारत में ई-कॉमर्स के क्षेत्र में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई। छोटे शहरों की महिलाओं ने अब ऑनलाइन प्रॉडक्ट्स की बिक्री शुरू कर दी है और इससे उन्हेंम काफी लाभ भी हुआ है। डिजिटल तकनीक, ई-कॉमर्स और डेटा कारोबार में सफलता के लिए बहुत जरूरी हो गए हैं। शहरी और पढ़े-लिखे लोगों के लिए इन तकनीकों को अपनाना और इसे लागू करना काफी आसान है, लेकिन भारतीय समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग अभी भी तकनीकी जागरूकता, ?ण तक पहुंच और भाषा संबंधी बाधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। इसमें छोटे शहरों और कस्बों में रहने वाली महिलाएं बेहद प्रभावित हुई हैं, जिन्हें समाज में सामाजिक जेंडर संबंधी बाधओं के खिलाफ अवश्यह संघर्ष करना चाहिए। इसलिए इस भेदभाव को खत्म करना बेहद जरूरी है। इसके लिए महिलाओं को शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और उन्हें कारोबार और तकनीक की बारीकियों का प्रशिक्षण देना चाहिए।

हार्दिक पटेल का खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल को राजनीति में आने का न्यौता

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में इस साल के अंत में होनेवाले विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं पिछले कुछ दिनों में कांग्रेस के पूर्व विधायक और प्रवक्ताओं समेत कई कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए हैं कांग्रेस में मची भगदड़ के बीच पार्टी के प्रदेश कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने पाटीदारों के आस्था के केन्द्र खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल को पत्र लिखा हैं पत्र में हार्दिक पटेल ने नरेश पटेल को सक्रिय राजनीति से जुड़ने का आग्रह किया हैं बता दें कि भाजपा और कांग्रेस के साथ गुजरात में अपनी जमीन तलाश रही आम आदमी पार्टी (आप) भी नरेश पटेल को अपने साथ जोड़ने के लगातार प्रयास कर रही हैं नरेश पटेल भी कह चुके हैं कि समाज कहेगा तो वह राजनीति के मैदान में आएंगे और कोरोना की तीसरी लहर से पहले उन्होंने गांव-गांव का भ्रमण भी किया थ हांलाकि कोरोनाकाल के चलते नरेश पटेल के राजनीति में आने का मामला ठंडा हो गय गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने नरेश पटेल को राजनीति में आने का न्यौता देकर फिर एक बार इस मामले को हवा दे दी हैं हार्दिक पटेल ने नरेश पटेल को लिखे पत्र में भाजपा शासन में किसान और व्यापारियों की हालत दयनीय होने का उल्लेख किया हैं साथ ही पाटीदार समाज के लोगों को सरकार की नीति और कृषि व व्यापार में परेशानी होने का भी उल्लेख किया हैं गुजरात में पिछले 30 सालों से एक ही पार्टी का शासन होने से उसकी तानाशाही नीतियों के कारण हमारा गरवी गुजरात और गुजरातियों के साथ लगातार अन्याय हो रहा हैं सबसे अधिक तानाशाही का शिकार पाटीदार समाज के हजारों युवक हुए हैं नरेश पटेल को पाटीदार नहीं बल्कि कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के तौर पर सक्रिय राजनीति में आने की खुली अपील की हैं हार्दिक ने बाहरी तत्त्वों को भूल कर पाटीदार युवाओं पर भरोसा कर राज्य के हित और अस्तित्व के लिए राजनीति में श्री गणेश करने का नरेश पटेल से आग्रह किया हैं दूसरी ओर खोडलधाम में महिला दिवस के अवसर आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में उपस्थित नरेश पटेल ने हार्दिक पटेल के पत्र को लेकर बयान दिय नरेश पटेल ने कहा कि अब तक उन्हें हार्दिक पटेल का कोई पत्र नहीं मिल उन्हें राजनीतिक दलों की ओर से पार्टी जॉइन करने का न्यौता मिलता रहता हैं नरेश पटेल ने कहा कि राजनीति में शामिल होने के बारे में समय आने पर फैसला करूंगा

पत्रकार के नाम पर व्यापारी से रुपए ऐंठने के आरोप में महिला समेत तीन गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर की दाणीलीमडा पुलिस ने एक महिला समेत तीन फर्जी पत्रकारों को गिरफ्तार किया हैं आरोप है कि दाणीलीमडा क्षेत्र में फैक्ट्री मालिक को डरा धमकाकर रुपए ऐंठने का प्रयास कर रहे थे पकड़ी महिला के पास एक प्रेस का आई कार्ड मिला है और उसकी भी वेलिडिटी पूर्ण हो चुकी हैं पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं जानकारी की मुताबिक अहमदाबाद के दाणीलीमडा क्षेत्र में अजीज बाठिया की कपड़ा फैक्ट्री है जो पिछले डेढ़ महीने से बंद हैं इस बंद फैक्ट्री में एक महिला समेत तीन लोग पहुंच गए और खुद को पत्रकार बताते हुए कहा कि वे हाईकोर्ट और जीपीसीबी के आदेश पर फैक्ट्री की जांच करने आए हैं हांलाकि अजीज बाठिया ने तीनों फैक्ट्री के भीतर घुसने से मना कर दिय बाठिया के दरवाजा खोलते ही तीनों लोग फैक्ट्री में घुस गए और वीडियोग्राफी करने लगे और मामला रफा दफा करने के लिए रु. 20 हजार की मांग की इसकी सूचना मिलते ही दाणीलीमडा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और महिला समेत तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिय पकड़ी गई निराली पटेल के पास पुलिस को एक प्रेस का आई कार्ड मिला है, जिसकी वेलिडिटी खत्म हो चुकी हैं जबकि उसके दोनों साथियों कुमार सागर और बंटी उर्फ वीरेन्द्र के पास पत्रकार होने के कोई सबूत नहीं मिले पुलिस ने तीनों फर्जी पत्रकारों को गिरफ्